मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 324
बुधवार, 18 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बीजेपी के साथ गए अवसरवादियों के लिए एनसीपी में कोई जगह नहीं: शरद पवार

मुंबई, 17 जून। एनसीपी (सपा) सुप्रीमो शरद पवार ने मंगलवार को अपने भतीजे अजित पवार की अवसरवादी राजनीति पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ लोग सिर्फ सत्ता के लिए भाजपा से जुड़े हैं। पिंपरी चिंचवाड़ में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पवार ने संकेत दिया कि वह गांधी, नेहरू, फुले और अंबेडकर की विचारधारा को मानने वालों को साथ लेने के लिए तैयार हैं, लेकिन अवसरवाद की राजनीति करने वाले किसी भी व्यक्ति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि यहां किसी ने अभी-अभी कहा कि सबको साथ लेकर चलने की जरूरत है। सबको साथ लेकर चलने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन सब कौन हैं? मैं गांधी-नेहरू, फुले और अंबेडकर की विचारधारा को मानने वाले लोगों को साथ लेकर चलने को तैयार हूं। किसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि कुछ लोग पार्टी (उनके द्वारा स्थापित एनसीपी) छोड़कर चले गए हैं और नए लोग शामिल हो रहे हैं। न्होंने कहा, सभी का मतलब उन व्यक्तियों से था जो गांधी, नेहरू, ज्योतिबा फुले और बी आर अंबेडकर की विचारधारा को मानते हैं। मैं उन्हें स्वीकार कर सकता हूं, अगर वे इस विचारधारा में विश्वास करते हैं और उसका पालन करते हैं।

उन्होंने कहा, हालांकि, अगर कोई सत्ता के लिए भाजपा के साथ जा रहा है, तो यह कांग्रेस की विचारधारा नहीं है। कोई किसी के साथ भी जुड़ सकता है, लेकिन भाजपा के साथ जाना कांग्रेस की विचारधारा के अनुरूप नहीं हो सकता। वरिष्ठ पवार ने कहा कि इस अवसरवाद की राजनीति को प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एनसीपी के दो धड़ों के बीच संभावित विलय को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, क्योंकि पिछले कुछ दिनों में शरद और अजित पवार कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में एक साथ दिखाई दिए हैं।

ईडी के सामने फिर पेश नहीं हुए रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली, 17 जून। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के व्यवसायी पति रॉबर्ट वाड्रा ब्रिटेन स्थित हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष दूसरी बार पेश नहीं हुए। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 10 जून को पेश नहीं होने के बाद उन्हें मंगलवार (17 जून) को पेश होने के लिए कहा गया था। वाड्रा के करीबी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने इस सप्ताह के लिए यूएई और ब्रिटेन की अपनी यात्रा योजना एजेंसी को पहले ही बता दी है और भारत वापस आने के बाद वह जांच में शामिल होंगे। उन्होंने 10 जून को जारी समन को यह कहते हुए टाल दिया कि 9 जून को उन्हें फ्लू जैसे लक्षण थे और उन्होंने प्रोटोकॉल के अनुसार कोविड टेस्ट कराया था। उसके बाद उनके वकील ने कहा था कि वाड्रा का समन से बचने का कोई इरादा नहीं है और वह इस महीने के अंत में विदेश यात्रा से पहले या बाद में कभी भी ईडी के सामने पेश होने के लिए तैयार हैं। समझा जाता है कि एजेंसी वाड्रा को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज करने और उसके बाद मामले में आरोप पत्र दाखिल करने के लिए बुला रही है। संघीय जांच एजेंसी ने हरियाणा में 2008 के एक भूमि सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक अलग धन शोधन मामले में अप्रैल में लगातार तीन दिनों तक व्यवसायी से पूछताछ की थी। ईडी द्वारा तीन धन शोधन मामलों में उनकी जांच की जा रही है। 63 वर्षीय भंडारी 2016 में आयकर विभाग द्वारा दिल्ली में छापेमारी के तुरंत बाद लंदन भाग गया था। इस महीने की शुरूआत में ब्रिटेन की एक अदालत ने भारत सरकार द्वारा प्रत्यर्पण मामले में भंडारी को बरी किए जाने के खिलाफ ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की अनुमति मांगने के लिए दायर आवेदन को अस्वीकार कर दिया था, जिससे कानून का सामना करने के लिए उसे देश में लाए जाने की संभावना लगभग खत्म हो गई।

इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट: अखिलेश यादव

लखनऊ, 17 जून। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि इंडिया ब्लॉक पूरी तरह एकजुट है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी बीजेपी के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के एकजुट ढांचे के भीतर ही चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में मिली सफलता के बाद यह गठबंधन अभी भी मजबूत है और विधानसभा चुनाव में इसके जरिये ही मुकाबला होगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बरकरार है... जो लोग गठबंधन छोड़ना चाहते हैं, वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह (2027 यूपी विधानसभा) चुनाव लड़ेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि कई राजनैतिक दल जो कुछ दिन पहले स्वदेशी नारा देते थे, उन्होंने हमारे बाजार को विदेशियों से कब्जा करा दिया। इससे पहले रविवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अराजकता और प्रशासनिक अव्यवस्था का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा भू-माफियाओं को संरक्षण देती है जो सरकारी और गरीब लोगों की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बिजली और कानून व्यवस्था जैसे आवश्यक क्षेत्र बदहाल हैं। यादव ने यह भी सवाल उठाया कि जब भारतीय बाजार चीनी सामानों से भरे पड़े हैं, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेतृत्व स्वदेशी उत्पादों की वकालत क्यों नहीं करता। उन्होंने स्थानीय बाजारों में विदेशी उत्पादों के वर्चस्व के लिए केंद्र की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा के आर्थिक प्रदर्शन की आलोचना करते हुए यादव ने कहा कि सरकार की नीतियां हर मोर्चे पर विफल रही हैं। उन्होंने कहा, ‘केंद्र सरकार के 11 साल और राज्य सरकार के नौ साल में कोई खास उपलब्धि नहीं मिली है।

अब हादसा नहीं छुपेगा, होगी डिजिटल रिपोर्टिंग

- **आईआरएडी एप से जुड़े हेरिटेज मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर, घायलों को मिलेगा 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज**
- **हर दुर्घटना की होगी लाइव फीडिंग, पुलिस-हॉस्पिटल-हाईवे विभाग एक साथ करेंगे कार्रवाई**
- **अब हर सड़क दुर्घटना का बनेगा डिजिटल रिकॉर्ड**

सुरेश गांधी

वाराणसी। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस (आईआरएडी) एप को लागू किया जा रहा है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है। इसी क्रम में हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जो 200 सीटों वाला एमबीबीएस और 56 से अधिक पीजी पाठ्यक्रमों वाला प्रमुख मेडिकल कॉलेज है, में फीडिंग के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

सोमवार को हेरिटेज हॉस्पिटल लिमिटेड के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवतार नारायण, जीएम ए.के. पांडेय, डॉ. मनु उप्पल (आयुष्मान भारत नोडल अधिकारी), बिलिंग मैनेजर विकास चौबे, विशाल राय, वरुण वर्मा और आईटी एक्सपर्ट सपना को जिला रोल आउट मैनेजर चंद्रकांत तिवारी ने प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण में बताया गया कि आईआरडीए पोर्टल पर प्रत्येक सड़क दुर्घटना का विस्तृत विवरण दर्ज किया जाएगा, जिसमें मौके की स्थिति, वाहन, चालक, घायल, संभावित कारण, और उपचार की जानकारी भी होगी।

केंद्र सरकार ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए 1.5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की नई योजना लागू की है। जनवरी में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा की गई घोषणा के बाद अब यह योजना जमीनी स्तर पर क्रियान्वित हो रही है। किसी भी सार्वजनिक या निजी मान्यता प्राप्त अस्पताल में पीड़ित को तत्काल उपचार मिलेगा और उसका खर्च सरकार उठाएगी।

एनआईसी व पुलिस विभाग के सहयोग से जिले की हर छोटी-बड़ी सड़क दुर्घटना की बारीकी से जानकारी पटल पर दर्ज की जा रही है। अब तक के आंकड़ों के मुताबिक, 70 फीसदी दुर्घटनाएं तेज गति से वाहन चलाने के कारण हो रही हैं। इस एप के माध्यम से पुलिस, परिवहन, स्वास्थ्य और पीडब्ल्यूडी विभाग आपस में डेटा साझा कर सकेंगे, जिससे भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने की प्रभावी रणनीति बनाई जा सकेगी। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचकर मोबाइल एप के माध्यम से दुर्घटना की फोटो, वीडियो, समय, स्थान, घायल व्यक्ति का नाम, उम्र, पता और वाहन का विवरण दर्ज करेंगे। यह जानकारी तुरंत संबंधित विभागों तक पहुंचेगी। विभागों को अब पूर्व-एकीकृत डाटाबेस, जैसे वाहन रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस, स्वास्थ्य रिकॉर्ड, सड़क नेटवर्क आदि के जरिए कार्रवाई करनी होगी।

मुख्यमंत्री योगी पहुंचे होटल ताज, 24 को प्रस्तावित मध्य क्षेत्रीय परिषद बैठक की तैयारियों का लिया जायजा

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह अपने वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन होटल ताज पहुँचकर 24 जून को होने वाली मध्य क्षेत्रीय परिषद (सीजेडसी) की बैठक की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने सभी व्यवस्थाओं को लेकर गहन समीक्षा की और जिम्मेदार अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने मुख्यमंत्री को अब तक की गयी तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने होटल परिसर में बैठक कक्ष, वीवीआईपी आगमन-प्रस्थान की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, यातायात संचालन, आपदा नियंत्रण उपायों तथा मीडिया कवरेज की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि, यह बैठक अंतर-राज्यीय समन्वय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग परस्पर तालमेल से कार्य करें।

इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्टाम्प रविन्द्र जायसवाल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष दयाशंकर मिश्र दयालु, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल एवं जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। यह बैठक केंद्र व राज्यों के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास, सीमावर्ती विषयों व कानून व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर समन्वय का बड़ा मंच होगी।

अमरनाथ यात्रा को लेकर हुआ सख्त फैसला, जम्मू कश्मीर में पूरा मार्ग हुआ नो फ्लाई जोन घोषित

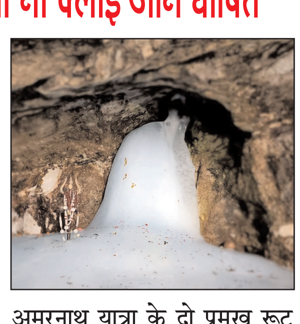

कश्मीर। अमरनाथ यात्रा की शुरूआत जल्द होने वाली है। इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इसे देखते हुए प्रशासन ने यात्रा के पूरे रूट को नो फ्लाइ जोन घोषित कर दिया है। सुरक्षा एजेंसियों और राज्य प्रशासन की मिलकर ली गई सिफारिश पर ये फैसला हुआ है। इससे यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न किया जाएगा। अमरनाथ गुफा क्षेत्र और उसके आस पास के इलाके को सरकार ने नो फ्लाई जोन बना दिया है। यानी अब यहां कुछ भी नहीं उड़ सकेगा। यहां ड्रोन उड़ानें पर भी पाबंदी है। वहीं अमरनाथ यात्रा के दो प्रमुख रूट बालटाल और पहलगाम है। इन दोनों ही मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। इसके तहत दोनों ही मार्गों पर नो फ्लाई जोन बनाया गया है। बता दें कि अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर इस मार्ग पर कई हवाई गतिविधियों को रोक दिया गया है।

एयर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को-मुंबई फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने मंगलवार को सैन फ्रांसिस्को-मुंबई उड़ान को कोलकाता में अपने निर्धारित पड़ाव पर रद्द कर दिया, क्योंकि इसके एक इंजन में तकनीकी खराबी आ गई थी। अधिकारियों ने समाचार एजेंसी पीटीआई को यह जानकारी दी। एयरलाइन के बंद होने से कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया, क्योंकि बोइंग 777-200 एलआर पर सवार 211 यात्रियों ने अधिकारियों को समझाने की कोशिश की कि उन्हें जल्द से जल्द अपने गंतव्य तक पहुंचने दिया जाए।

आर के मीडिया

हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए

सम्पर्क करेः 9199355950

मन्दिरों में पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन बन्द हो

-ललित गर्ग

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में पैसे लेकर दर्शन कराने वाले बाउंसरों की गिरफ्तारी के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में सुगम दर्शन के नाम पर एक साथ इक्कीस लोगों की गिरफ्तारी जहां मंदिर प्रशासन की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है, वहीं ईश्वर के दरबार में पांव फैला रहा भ्रष्टाचार गहन चिन्ताजनक एवं शर्मनाक है। कुछ ही दिनों पहले ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में भक्तों से वीआईपी दर्शन के नाम पर अवैध वसूली करने पर प्रशासन ने एक होमगार्ड जवान और दो पंडितों पर कार्रवाई की है। देश-विदेश के भक्त अगाध श्रद्धा से अपने आराध्य का दर्शन करने आते हैं, लेकिन देश के प्रमुख मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने के नाम पर पैसों की लूट मची है या वीआईपी संस्कृति के नाम पर त्रासद एवं भेदभावपूर्ण स्थितियां पसरी है। सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? मन्दिरों में गरीब एवं अमीर के बीच भेदभाव की स्थितियां खुला भ्रष्टाचार ही है। पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था भी है। मंदिर का चप्पा-चप्पा सीसीटीवी कैमरे की पहुंच में है। यह मन्दिर सुरक्षा कारणों से अतिसंवेदनशील स्थल होने के बावजूद ऐसा कृत्य खेदजनक ही नहीं, आपत्तिजनक भी है। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि दर्शन की प्रचलित व्यवस्था को और सुगम, भ्रष्टाचार व दोषरहित बनाए, ताकि व्यवस्था में कोई सेंध न लगे और जन-आस्था आहत न हो। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो सुगम दर्शन का शुल्क भी जमा कराया जाता है पर ठगों की जमात ने शीघ्र दर्शन के नाम पर कमाई का नया रास्ता तलाश लिया। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि वह सुगम दर्शन व्यवस्था के नाम पर हो रही धांधली को गंभीरता से ले। फर्जी पंडा, गाइड बनकर लोगों को झांसे में लेने वाले लोग अचानक एक दिन में डेरा नहीं जमाए होंगे। यह सब काफी समय से चल रहा होगा। इस प्रकार की ठगी करने की संभावना कैसे बन जाती है, इसकी जांच होनी चाहिए। बात केवल ठाकुर बांके बिहारी मंदिर या श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की ही नहीं है, बल्कि देश के प्रमुख मन्दिरों में बढ़ती जन-आस्था की भीड़ एवं लम्बी-लम्बी लाइनों के बीच पैसे लेकर या वीआईपी दर्शन कराने की त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों की है, जिसने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

बांके बिहारी मंदिर में एक बार फिर वीआईपी कल्चर का खेल सामने आया है। मंदिर की भीड़ से हटकर वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर एक निजी सुरक्षा एजेंसी ने बाउंसर उपलब्ध कराकर पैसे कमाने का गोरखधंधा शुरू कर दिया था। एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रचार कर यह दावा किया कि वे श्रद्धालुओं को भीड़ से बचाकर विशेष वीआईपी दर्शन कराने में मदद कर सकते हैं। यह तो घोषित गैरकानूनी व्यवस्था है, लेकिन अन्य प्रमुख मन्दिरों में भी मन्दिर से जुड़े लोग या अन्य ठग पैसे लेकर दर्शन कराते हैं। सबसे ज्यादा दुखद एवं विडम्बनापूर्ण है वीआईपी दर्शन का प्रचलन। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईपी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों मन्दिरों में वीआईपी दर्शन के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। दरअसल, वीआईपी संस्कृति का दायरा बहुत व्यापक है। यह धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र से लेकर आस्था तक, कई मौकों पर कुछ खास लोगों को विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत कहता है कि सभी नागरिक समान हैं, फिर भी व्यवहार में कुछ लोग ह्वविशेषह्व बन जाते हैं, चाहे वो सड़क पर हों, सरकारी दफ्तरों में, अस्पतालों में या मंदिरों में! इसी तरह, बड़े नेताओं और अधिकारियों के लिये मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने की व्यवस्थाएं हैं, जिससे लम्बी कतारें और लम्बे समय का इंतजार करते हैं। ऐसी व्यवस्था से मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों में हादसें भी होते हुए देखे गये हैं। इन वीआईपी के लिए अक्सर यातायात रोक दिया जाता है, जिससे आम जनता घंटों जाम में फंसी रहती है। अस्पतालों में वीआईपी वार्ड हैं, जबकि आम मरीजों को बिस्तर भी नहीं मिल पाता। एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर वीआईपी यात्रियों को विशेष सुविधाएं मिलती हैं, जबकि आम लोग लंबी कतारों में खड़े रहते हैं। वीआईपी संस्कृति एक नासूर बन गई है। यही कारण है कि हर सरकार वीआईपी संस्कृति को खत्म करने का वादा करती है, लेकिन हकीकत में इसे बनाए रखने के नए-नए तरीके खोजे जाते हैं। वीआईपी कल्चर एवं पैसे लेकर दर्शन कराने की धांधली ने एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी या पैसे लेकर दर्शन क्यों है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया पैदा करता है? प्रसिद्ध मन्दिरों में वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है, यह एक अतिक्रमण है, यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों एवं मन्दिरों में तो बिल्कुल भी नहीं।

न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तित है। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से ह्वहताशह्व हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए। राजस्थान में गहलोत सरकार ने भी मन्दिरों में वीआईपी दर्शनों की परम्परा को समाप्त करने की घोषणा की थि कि मन्दिरों में बुजुर्ग ही एकमात्र वीआईपी होंगे। इस तरह की सरकारी घोषणाएं भी समस्या का कारगर उपाय न होकर कोरा दिखावा होती है। अक्सर नेताओं एवं धनाढ्यों को विशेष दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसरों को आम लोगों के लिये बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है, लोग वास्तव में इससे दुखी होते हैं और कोसते हैं। वीआईपी लोगों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती है, मन्दिर के मूल परिसर-गर्भ परिसर में दर्शन कराये जाते हैं, उनके वाहन मन्दिर के दरवाजे तक जाते हैं, उनके साथ पुलिस-व्यवस्था रहती है, जबकि आम श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर पैदल चलना होता है, भगवान के दर्शन दूर से कराये जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की की जाती है। लगता है मन्दिरों में दर्शन में सहभागिता को लेकर आम आदमी गुलामी की मानसिकता को ही जी रहा है। इन स्थानों पर उसके स्वाभिमान, सम्मान एवं समानता को बेरहमी से कुचला जा रहा है। ये कैसा मंदिर और ये कैसा दर्शन जहाँ सरेआम आम दर्शनार्थी का अपमान हो रहा है। इसलिए जिस भी मंदिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है उसके खिलाफ जनक्रांति हो। आज हिन्दू मन्दिरों की भेदभाव पूर्ण दर्शन-व्यवस्था को समाप्त करके ही आम आदमी को उसका उचित सम्मान किया जा सकता है, उसकी निराशा एवं पीड़ा को समझा जा सकता है। भाजपा सरकार मन्दिरों एवं धार्मिक-स्थलों से वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिये कोई ठोस कदम उठाये।

ईरान व यूक्रेन जंग लगने पर वहां रह रहे छात्रों को भारत लाने की कवायद शुरू-छात्रों को आखिर विदेश जाने की जरूरत ही क्यों पड़ती है

अशोक भाटिया

ईरान व यूक्रेन की जंग शुरू होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो लगातार तेजी से बढ़ते जा रहे हैं जिसमें ईरान में में फंसे भारतीय छात्र नरेंद्र मोदी सरकार से उन्हें रूसी बमों और यहां-वहां दागे जा रहे रॉकेटों के हमले से बचाने की गुहार लगा रहे हैं। जम्मू कश्मीर स्टूडेंट असोसिएशन के अनुसार तेहरान यूनिवर्सिटी के होस्टल में रविवार रात हमला हुआ व दो छात्र घायल हो गए । इस बीच ईरान में फंसे भारतीय छात्रों को वहां निकालने की कवायद भी शुरू हो गई है। भारत सरकार ने कहा है कि वह इन छात्रों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। ईरान में फिलहाल करीब 10 हजार भारतीय हैं, जिनमें 6000 छात्र हैं। इसमें से करीब 600 छात्रों को तेहरान से कौम की तरफ रीलोकेट किया जा चुका है। इसके अलावा 110 छात्र उर्मिया से आर्मेनिया सीमा की तरफ जा चुके हैं। इन लोगों को जल्द से जल्द वहां से निकाल लिया जाएगा।

इधर, भारत में एक बार फिर इस पर बहस तेज हो गई है कि छात्रों के सामने किस तरह की समस्याएं पेश आती है–भारतीय शिक्षा प्रणाली को लेकर और यह भी कि छात्रों को आखिर विदेश जाने की जरूरत क्यों पड़ती है, खासकर चिकित्सा शिक्षा के लिए। बजट घोषणाओं पर एक वेबिनार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टिप्पणी की थी कि कैसे ह्वहमारे बच्चों को आज पढ़ने के लिए छोटे-छोटे देशों में जाना पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने निजी क्षेत्र से यह आग्रह भी किया कि छात्रों का बाहर जाना रोकने के लिए वो इस क्षेत्र में आगे आए।

तो सवाल उठता है कि आखिर छात्र विदेश जाते क्यों हैं? इस बारे में दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति दिनेश सिंह कहते हैं, ह्वभारत में एक तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने वाली यूनिवर्सिटी की संख्या काफी कम है और जो हैं भी वहां प्रवेश मिलना काफी कठिन है। एक विदेशी राष्ट्र में जीवन और मौत के संकट में फंसे और घरेलू मोर्चे पर शिक्षा प्रणाली पर सवाल उठाने वाले भारतीय छात्र, जिनमें तमाम की राय है कि इसका खर्च वहन कर पाना आसान नहीं है।

कंसल्टेंसी फर्म रेडसीर ने विदेशों में उच्च शिक्षा पर अपनी ताजा रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि 2024 तक विदेशों में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों का आंकड़ा करीब 20 लाख के पार पहुंच गया है । रिपोर्ट में पाया गया कि यह संख्या लगातार बढ़ रही है।रिपोर्ट ने बताया गया है, ह्वहमारे शोध से पता चलता है कि मौजूदा समय में 7,70,000 भारतीय छात्र विदेशों में पढ़ रहे हैं और यह संख्या 2016 में 4,40,000 की तुलना में 20 प्रतिशत बढ़ी है। दूसरी ओर, विदेशों में शिक्षा की मांग की तुलना में घरेलू स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत रही है। अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) से भी यही ट्रेंड सामने आता है। 2016-17 में उच्च शिक्षा के लिए नामांकित छात्रों की संख्या 35.7 मिलियन थी, जो 2019-20 में बढ़कर केवल 38.5 मिलियन हुई।

भारतीय छात्रों का पढ़ाई के लिए विदेशों का रुख करना कोई नई बात नहीं है। कई दशकों से भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संस्थानों के अभाव और मांग-आपूर्ति में अंतर की वजह से तमाम परिवार अपने बच्चों को विदेश भेजने के लिए बाध्य रहे हैं। हालांकि, हाल के दो घटनाक्रमों– कोविड-19 महामारी और यूक्रेन और रूस के बीच जंग– ने इससे जुड़े एक अलग ही पहलू को उजागर किया है।दोनों घटनाक्रम के बीच जब फंसे छात्रों ने मदद के लिए गुहार लगाई तो पहला सवाल तो यही उठाया गया कि उन्हें उन जगहों पर जाने की जरूरत ही क्या थी। ह्ववे भारत में क्यों नहीं पढ़ सकते?

1990 के दशक में, और उससे पहले भी भारत के अधिकांश छात्र अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे अंग्रेजी-भाषी देशों में जाते थे। ऑस्ट्रेलिया एक बिल्कुल नया गंतव्य स्थल है, जो पिछले 15 वर्षों में खासा लोकप्रिय हुआ है। उस समय, धनी परिवार अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजते थे क्योंकि इसे एक स्टेटस सिंबल माना जाता था। आईवी लीग यूनिवर्सिटीज को लेकर खासा उत्साह रहता था और इन यूनिवर्सिटी से हासिल की गई डिग्री कहीं भी नौकरी मांगने जाते समय आपके सीवी को और भी ज्यादा प्रभावशाली बना देती थी। मध्यमवर्गीय परिवारों के छात्र तभी विदेश जा पाते थे जब वे स्कॉलरशिप हासिल करने में सक्षम हो पाएं।

हालांकि, अब दो कारणों से परिदृश्य पूरी तरह बदल गया है– एक तो लोन आदि की सुविधाओं के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा पाना ज्यादा सुलभ हो गया है, दूसरे गंतव्य स्थलों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। यूरोप और मध्य पूर्व के तमाम गैर-अंग्रेजी भाषी देश भी संभावित छात्रों को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी के पूर्व महासचिव फुरकान कमर– जो राजस्थान यूनिवर्सिटी और हिमाचल प्रदेश की सेंट्रल यूनिवर्सिटी में कुलपति भी रह चुके हैं– कहते हैं, ह्वछात्रों के रूस, यूक्रेन, ईरान और चीन जाने के कारण एकदम स्पष्ट है– वे मेडिकल सीटों की मांग और आपूर्ति में अंतर के कारण वहां का रुख करते हैं। वे एक विदेशी यूनिवर्सिटी से बेहतर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं और फिर वहां पर कमाई करके अपनी पढ़ाई पर हुए खर्च की भरपाई भी करना चाहते हैं। भारत में निजी और सार्वजनिक संस्थानों में महज 80,000 के करीब मेडिकल सीटें हैं और हर साल लगभग सात लाख छात्र राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पास करते हैं।

पढ़ाई पर होने वाला खर्च भी छात्रों के छोटे देशों की तरफ रुख करने का एक बड़ा कारण है। अमेरिका में मेडिसिन की पढ़ाई के लिए किसी छात्र को सालाना 18 लाख से 30 लाख रुपये के बीच खर्च करना पड़ता है। ब्रिटेन में, लीसेस्टर यूनिवर्सिटी जैसे एक अच्छे मेडिकल संस्थान में पढ़ाई के लिए विदेशी छात्रों को पहले दो वर्षों के लिए करीब 23 लाख रुपये से अधिक का शुल्क चुकाना होता है।दूसरी तरफ, यूक्रेन, चीन, रूस, जॉर्जिया जैसे देशों में मेडिकल डिग्री के लिए समान सुविधाओं के साथ पूरे कोर्स पर 17 लाख रुपये से 45 लाख रुपये के बीच खर्च पड़ता है, यही वजह है कि ये देश भारतीय छात्रों के लिए एक पसंदीदा जगह बने हुए हैं। यद्यपि, भारत में इंजीनियरिंग की शिक्षा की गुणवत्ता पिछले कुछ सालों में जबरदस्त तरीके से सुधरी है लेकिन चिकित्सा शिक्षा के मामले में स्थिति जस की तस बनी हुई है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) को छोड़कर, देश में इस समय इंजीनियरिंग कॉलेजों में 23 लाख से अधिक सीटें हैं। लेकिन मेडिकल एजुकेशन और प्रबंधन, फामेर्सी, आर्किटेक्चर जैसे अन्य विशिष्ट क्षेत्रों के मामले में स्थित ऐसी नहीं है। पिछले पांच सालों में प्रबंधन से जुड़ी सीटों की संख्या 3 से 4 लाख के बीच रही है। दरअसल, भारत में अधिकांश यूनिवर्सिटी में बीकॉम, बीएससी और बीए जैसे सामान्य प्रोग्राम ही उपलब्ध होते हैं। एआईएसएचई के 2019-20 के आंकड़े बताते हैं, भारत में 1,043 यूनिवर्सिटी हैं। इनमें से 522 सामान्य, 177 तकनीकी, 63 कृषि और इससे संबद्ध, 66 मेडिकल, 23 विधि, 12 संस्कृत और 11 लैंग्वेज यूनिवर्सिटी हैं। अन्य 145 यूनिवर्सिटी अन्य की श्रेणी में आती हैं जबकि शेष 24 के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।ऑस्ट्रेलिया की एक यूनिवर्सिटी से खेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे मानस गंगवानी बताते है, ह्वमुझे हमेशा से खेल प्रबंधन में रूचि थी, लेकिन भारत में कोई भी यूनिवर्सिटी इस विषय में उपयुक्त डिग्री प्रदान नहीं करती है इसलिए मुझे विदेश में विकल्प तलाशना पड़ा।

दिनेश सिंह ने कहा, हम मैथ्स ऑनर्स और संस्कृत ऑनर्स जैसे पाठ्यक्रम चलाते हैं, जिसमें हम संबंधित विषय से जुड़ी बेसिक जानकारी ही देते हैं। इससे छात्रों की रोजगार क्षमता घट जाती है क्योंकि उनके पास कोई विशिष्ट कौशल नहीं होता है। ऐसे में जो लोग खर्च वहन कर सकते हैं, वे या तो मास्टर डिग्री के लिए आवेदन करते हैं या फिर विदेश से स्नातक की डिग्री हासिल करते हैं।ह्वकनाडा में एमबीए कर रहे सिद्धांत शुक्ला को भी लगता है कि किसी भारतीय यूनिवर्सिटी से उन्हें वह सब नहीं मिल सकता था जो कनाडाई यूनिवर्सिटी में मिला है। उन्होंने कहा, ह्वमैं एमबीए के बाद कनाडा में बसना चाहता हूं। मैं एक बेहतर जीवन चाहता हूं और जो कड़ी मेहनत कर रहा हूं उसके बदले में बेहतर भुगतान की अपेक्षा रखता हूं। और मुझे नहीं लगता कि भारत में कभी भी ऐसा हासिल हो पाएगा। कोई भी भारतीय यूनिवर्सिटी में पढ़ाई का विकल्प छोड़ने वाले छात्रों और उनके माता-पिता को कोस सकता है लेकिन वास्तविकता यही है कि जब तक भारत में शिक्षा प्रणाली छात्रों की जरूरतों के अनुरूप नहीं होगी, वे विदेशों का ही रुख करते रहेंगे।

मोक्षभूमि या मस्ती का मैदान?

-सुरेश गांधी

धर्म व अध्यात्म की नगरी काशी को यूं ही मोक्षदायियिनी नहीं कहा जाता, बल्कि इसके पीछे मान्यता है कि कभी ना बुझने वाली महाशमशान मणकर्णिका घाट पर औघड़ रूप में स्वयं भगवान भोलेनाथ हर क्षण विराजते हैं। और मृत्यु को प्राप्त लोगों को कान में तारक मंत्र देकर मुक्ति का मार्ग देते हैं। मणिकर्णिका घाट, वह नाम जिसे सुनकर साधक रोमांचित हो जाते हैं, और मृत्यु जिसे छूकर भी डरती है। यह कोई साधारण श्मशान नहीं, मोक्ष का वह सिंहद्वार है जहां हर क्षण आत्मा और परमात्मा के मिलन की अग्नि प्रज्वलित रहती है। परंतु आज यह मोक्षभूमि अपने ही अपवित्र होते स्वरूप पर मौन विलाप कर रही है। वो घाट जहां हर क्षण राम नाम सत्य हैह्व की गूंज होती थी, वहां अब शराब की बोतलों की झंकार और गांजे की धुंध दिखती है। श्रद्धा से सजी इस भूमि को अब ह्वडार्क टूरिज्म का हिस्सा बना दिया गया है, जहां विदेशी पर्यटक चिता की आग को ह्वस्पेकटेबल शो मानकर कैमरा लहराते हैं और स्थानीय तथाकथित गाइड इसे एक्सपीरियंस बनाकर बेचते हैं

कहते है जब पृथ्वी का निर्माण हुआ तो प्रकाश की प्रथम किरण काशी की धरती पर ही पड़ी। तभी से काशी ज्ञान तथा आध्यात्म का केंद्र माना जाता है। वैसे भी काशी भगवान शिव के त्रिशूल पर बसी है। मणिकर्णिका घाट की स्थापना अनादी काल में हुई है। श्रृष्टि की रचना के बाद भगवान शिव ने अपने वास के लिए इसे बसाया था और भगवान विष्णु को उन्होंने यहां धर्म कार्य के लिए भेजा था। इसकी प्रमाणिकता यह है कि महाश्मशान मणिकर्णिका घाट पर सैकड़ों वर्षों से चिताएं जलती आ रही हैं। यह आज तक नहीं बुझी है। शिव औघड़ रूप में मृत्यु को प्राप्त लोगों को कान में तारक मंत्र देकर मुक्ति का मार्ग देते हैं। मणिकर्णिका पर चिताओं की अग्नि इसी कारण हमेशा जलती रहती है। यहां मोक्ष प्राप्त करने वाला कभी दोबारा गर्भ में नहीं पहुंचता है। महाश्मशान मणिकर्णिका घाट महादेव का पसंदीदा स्थल था। मान्यता है कि बाबा विश्वनाथ और माता पार्वती अन्नपूर्णा के रूप में भक्तों का कल्याण करते हैं। लेकिन हाल के दिनों में यह पवित्र स्थल, शराबियों, गजेड़ियों व नशाखोरों का अड्डा बनता जा रहा है। घाट की सीढ़ियों पर दारू की बोतलें, गांजे की पुड़िया और फूहड़ हंसी आम हो चली हैं। घाट किनारे रातों को अय्याशी के दृश्य अब किसी रहस्य नहीं, खुले यथार्थ बन चुके हैं। स्त्रियां, विशेषकर श्रद्धालु, अब वहां जाने से कतराती हैं, क्योंकि पवित्रता की जगह अब भद्दी टिप्पणियां और नशेड़ियों की मंडली ले चुकी है। आस-पास की गलियों में नशे का कारोबार, शराब की बोतलें, गांजे के धुएं और अय्याशी के किस्से सुनाई देने लगे हैं। घाट पर वीडियो बनाने वाले, ह्वमृत्यु की सेल्फीह्व लेने वाले, और विदेशी पर्यटकों को ह्वथ्रिलह्व दिखाने वाले गाइड, सब मिलकर इस पुण्य भूमि की गरिमा को चोट पहुंचा रहे हैं। बता दें, पंच पल्लव आम, नीम, पीपल, बरगद और पाकड़ की लकड़ियों से चिता जलती है। ऊपर से चंदन की लकड़ी भी रखी जाती है। दुनिया का एक मात्र ऐसा स्थल है जहां मनुष्य के मृत्यु को भी मंगल माना जाता है। शव यात्रा में मंगल वाद यंत्रों को बजाया जाता है। शव यात्री श्मशान में भी नाचते हैं। मणिकर्णिका महाश्मशान बाबा का निवास स्थान है। यहां श्रृष्टि के तीनों गुण सत्व, रज और तम समाहित हैं। महादेव के प्रकट होने पर विष्णु ने अपने चक्र से चक्र पुष्कर्णी तालाब (कुंड) का निर्माण किया था। तकरीबन 4000 किलो लकड़ियां रोज तीर्थ पर जलती हैं। रंग भरी एकादशी के दूसरे दिन यहां नागा और सन्यासी चिता भष्म की होली खेलते हैं। नवरात्री के सप्तमी के दिन सैकड़ों वर्षों से महाश्मशान मणिकर्णिका घाट पर पूरी रात मशान नाथ बाबा के सामने नगर वधुएं डांस करती हैं। मतलब साफ है मणिकर्णिका घाट को श्मशान समझने की भूल मत कीजिए, यह सनातन धर्म की आत्मा है। यहां केवल शरीर जलता है, आत्मा को मुक्ति मिलती है। यदि इसे अय्याशी और नशे का अड्डा बनने दिया गया, तो हमारा अगला मोक्ष कौन सा होगा? क्योंकि अगर मणिकर्णिका मर गई, तो हमारे धर्म का पुनर्जन्म कौन करेगा?

घाट पर ही है सतुआ बाबा का आश्रम

कहते है राजा हरीश चंद्र के समय से यहां अग्नि खरीदने की परंपरा चली आ रही है। डोम राजा परिवार चिता कि अग्नि को आज भी कर लेकर देता है। परिवार के सदस्यों की अलग-अलग पारी होती है। इनके अग्नि दिए बिना मुक्ति नहीं मिलती और दाह संस्कार करने वाला घाट नहीं छोड़ता। सतुआ बाबा का आश्रम घाट के पास ही है। इस पवित्र स्थली पर शिव ने वृद्ध बनकर बाबा को दर्शन दिया था। मान्यता है कि जगत गुरु आदि शंकराचार्य जब काशी आए थे तब इसी जगह उन्हें चांडाल वेशधारी महादेव ने दर्शन दिया था। शंकराचार्य ने तपस्या से पहचान लिया था कि चांडाल के कपाल से जो तेज निकल रहा है वह ब्रह्मांड भर में कही नहीं है।

शास्त्र कहां गए? धमार्चार्य मौन क्यों हैं?

इस घाट को महाकाल ने स्वयं तप से तपाया था। यहां भगवान विष्णु के चरणचिह्न हैं, मां पार्वती की करुणा, और भगवान शिव का आदेश है कि यहां मृत्यु पाने वाला सीधे मोक्ष को प्राप्त करे। परंतु आज धमार्चार्य मंचों पर ज्ञान देते हैं, पर घाटों पर जाने से परहेज करते हैं। शास्त्रों की व्याख्या होती है, पर धर्म की रक्षा नहीं। खासकर धर्म के ठेकेदार कहे जाने वाले लोग भी घाटों की सुध नहीं लेते। संन्यासी अब सेवा की बजाय सेल्फी में व्यस्त हैं।

प्रशासन का पर्यटन प्रेम या धर्म विमुखता?

प्रशासनिक तंत्र भी घाटों को पर्यटन स्थल की तरह देखता है, तपोभूमि की तरह नहीं। विदेशी पर्यटकों को सुविधा देने के नाम पर स्थानीय संस्कृति को गिरवी रखा जा रहा है। सीसीटीवी कैमरे तो हैं, पर नशेड़ियों की गिरफ्तारी नहीं। पुलिस चैकी है, पर नफरत और अपराध की खबर नहीं सुनती।

क्या है समाधान

1. धार्मिक अनुशासन लागू हो, मणिकर्णिका पर विशेष तीर्थ क्षेत्र कानून लागू किया जाए।

2. संन्यासी और संत आगे आएं, केवल प्रवचन नहीं, घाटों पर उपस्थिति और शुद्धिकरण अभियान चलाएं।

3. स्थानीय युवाओं को जोड़ें, ह्वमणिकर्णिका सेवा दलह्व जैसे समूह बनाकर युवाओं को घाट की गरिमा रक्षण में लगाएं।

4. नशे और अराजकता पर पूर्ण प्रतिबंध, पुलिस, नगर निगम और घाट सेवाओं का समन्वय हो।

5. मीडिया को आईना दिखाना होगा, मौत की थ्रिल स्टोरी बेचने वालों पर नकेल कसी जाए।

6. गंगा सेवा निधियों, मंदिर ट्रस्टों और तीर्थ पुरोहितों को संगठित रूप से कार्य करना होगा।

7. स्थानीय प्रशासन को सख्ती दिखानी होगी, खुलेआम नशा करने वालों, अश्लीलता फैलाने वालों और ठगी करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो।

8. श्रद्धालुओं और नागरिकों को जागरूक होना होगा,घाट को केवल देखने की वस्तु नहीं, श्रद्धा और साधना की भूमि मानना होगा।

9. धार्मिक नेतृत्व मौन तोड़े, संत समाज और शास्त्रविदों को अब केवल व्याख्यान नहीं, व्यावहारिक संरक्षण की ओर कदम बढ़ाना होगा।

10. मणिकर्णिका घाट केवल चिता का धुआँ नहीं, संस्कृति की मशाल रहा है। इसे जलने न दें, जगाएं।

मणिकर्णिका घाट का महत्व

यह केवल एक श्मशान नहीं, मोक्ष भूमि है। यहां हर दिन सैकड़ों शवों का अंतिम संस्कार होता है। और मान्यता है कि यहां मृत्यु मात्र से आत्मा को मोक्ष मिलता है। यह स्थान कर्म, भक्ति और वैराग्य का प्रतीक रहा है।

मणिकर्णिका घाट अब आस्था की नहीं, अराजकता की आग में जल रहा है: सतुआ बाबा

वाराणसी के प्रमुख संत और सामाजिक-धार्मिक सुधार के अग्रदूत सतुआ बाबा ने मणिकर्णिका घाट की दुर्दशा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने हाल ही में घाट पर जाकर स्वयं निरीक्षण किया और स्थानीय प्रशासन, साधु समाज तथा आम जनता से जागने की अपील की। बाबा ने स्पष्ट शब्दों में कहा: ह्वमणिकर्णिका घाट कोई आम श्मशान नहीं है। यह वह भूमि है जहां जीवन के मोह से मुक्त होकर आत्मा शिव की गोद में विश्राम करती है। लेकिन आज यहां चिता की अग्नि से ज्यादा, नशे और लापरवाही की आग जल रही है। दारू, गांजा, अश्लीलता, मोबाइल कैमरों की चमक और डेड बॉडी टूरिज्म, ये सब मणिकर्णिका की मयार्दा के खिलाफ हैं। ये सिर्फ घाट को नहीं, हमारे धर्म और सनातन परंपरा को अपवित्र कर रहे हैं। उनका कहना है कि मणिकर्णिका को विशेष धार्मिक संरक्षण क्षेत्र घोषित किया जाए। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी के साथ-साथ धार्मिक अनुशासन दल गठित हो। अराजक तत्वों पर त्वरित कार्रवाई हो और घाट पर श्रद्धा का वातावरण लौटाया जाए। सतुआ बाबा ने आत्मचिंतन करते हुए कहा: अगर घाट अपवित्र हो रहा है, तो दोष केवल प्रशासन का नहीं, हम संतों का भी है। हमें अब आश्रमों, गुफाओं से निकलकर घाटों पर उतरना होगा, न सिर्फ प्रवचन के लिए, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए भी। घाट पर जो हो रहा है, वह केवल एक घाट की गिरावट नहीं है, यह पूरे सनातन धर्म की आत्मा पर प्रहार है। मणिकर्णिका घाट वह स्थान है जहां चिता जलती है और आत्मा मुक्त होती है, लेकिन अब वहाँ दारू की बोतलें, गांजे की गंध, और मोबाइल से लाइव स्ट्रीमिंग दिखाई दे रही है। श्रद्धा की जगह अब अश्रद्धा ने ले ली है। पहले घाटों पर साधु बैठते थे, अब ब्लॉगर बैठते हैं। पहले लोग गंगाजल लेकर आते थे, अब लोग ह्वव्लॉग बनाने आते हैं। हमने घाटों को मोक्ष का द्वार मानना छोड़ दिया, अब वे मस्ती का अड्डा बनते जा रहे हैं। बदलाव तकनीक से नहीं, दृष्टिकोण से हुआ है कृ हमने धर्म को प्रदर्शन बना दिया। समाज ने श्रद्धा खो दी, अब मृत्यु भी मनोरंजन लगती है। और हम संत, हम मौन रहे जब धर्म को बाजार बनाया गया। हम सिर्फ टीवी पर दिखाई दिए, जमीन पर नहीं। हमने मणिकर्णिका शुद्धि अभियान शुरू किया है। हर सप्ताह घाट की सफाई, भजन, राम नाम संकीर्तन और श्रद्धालुओं को जागरूक करने का कार्य हो रहा है। मैंने कई वरिष्ठ संतों को पत्र भेजा है, अब या तो मोक्ष बचाओ, या मौन रहो। हम चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि हर चिता से पहले चेतावनी होती है। मणिकर्णिका अब केवल मृत शरीर नहीं जला रहा, यह हमारी चेतना जला रहा है। अगर हम नहीं जगे, तो अगली चिता आस्था की होगी। लेकिन अगर संत, समाज और शासन साथ आएं, तो मोक्षभूमि फिर से पूज्य बन सकती है। सतुआ बाबा की आंखों में दर्द था, पर स्वर में साहस। काशी का यह संत अब केवल प्रवचन नहीं कर रहा, प्रतिकार कर रहा है। मणिकर्णिका घाट की रक्षा की यह लड़ाई अब अकेले किसी बाबा की नहीं, हम सबकी है।

बहुजन मंच की पुरानी विरासत पर चंद्रशेखर की नई बुनियाद

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर नई करवट लेती नजर आ रही है। 2027 के विधानसभा चुनाव भले ही अभी दो साल दूर हों, लेकिन सियासी सरगर्मियां अभी से तेज होती जा रही हैं। भारतीय जनता पार्टी जहां अपनी सत्ता बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है, वहीं समाजवादी पार्टी सामाजिक समीकरणों के सहारे वापसी की राह तलाश रही है। कांग्रेस भी खोई हुई जमीन की तलाश में सक्रिय हो चुकी है। लेकिन इन तमाम प्रमुख दलों के बीच बहुजन राजनीति में हलचल तब तेज हो गई जब आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती को सीधे चुनौती दे डाली।झांसी में हाल ही में आयोजित ह्वप्रबुद्ध वर्ग सम्मेलनह्व में चंद्रशेखर ने न सिर्फ बसपा की नीतियों को निशाने पर लिया, बल्कि मायावती के नेतृत्व पर भी सवाल खड़े कर दिए। उनका साफ कहना था कि बहुजन समाज अब बदलाव चाहता है, और यह बदलाव नेतृत्व से शुरू होगा। चंद्रशेखर ने कहा कि मायावती बहुजन समाज का भरोसा खो चुकी हैं और अब समाज एक नई सोच, नया नेतृत्व और नई दिशा की तलाश में है।

यह पहला अवसर नहीं है जब चंद्रशेखर ने बसपा के खिलाफ मुखर रुख अपनाया हो, लेकिन इस बार उनका लहजा अधिक आक्रामक और स्पष्ट था। उन्होंने कहा कि बसपा का लगातार कमजोर होना इस बात का प्रमाण है कि पार्टी अब जमीनी मुद्दों से कट चुकी है। ह्वबहुजन समाज को नारे नहीं, भागीदारी चाहिए,ह्व चंद्रशेखर ने यह कहकर अपने इरादे और दृष्टिकोण को स्पष्ट कर दिया।इस सम्मेलन में उमड़ी भीड़, खासकर युवा वर्ग की सक्रिय भागीदारी ने यह साफ कर दिया कि चंद्रशेखर की लोकप्रियता अब सोशल मीडिया से निकलकर गांव-कस्बों तक पहुंच रही है। मंच पर उनके साथ कई ऐसे चेहरे दिखे, जो कभी बसपा का हिस्सा रह चुके थे। ऐसे में राजनीतिक पंडित इस भीड़ को महज एक सभा की सफलता नहीं मानते, बल्कि इसे बहुजन राजनीति के भविष्य की आहट के तौर पर देख रहे हैं।

चंद्रशेखर ने अपने भाषण में भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां वंचितों के उत्थान के विरुद्ध रही हैं। ह्ववे नहीं चाहते कि दलित, पिछड़ा और आदिवासी समाज मुख्यधारा में आए। बहुजन अगर संगठित हो गया तो सत्ता उनके हाथ से निकल जाएगी,ह्व उन्होंने दो टूक कहा। उन्होंने बहुजन युवाओं से आवाहन किया कि वे खुद को किसी राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस्तेमाल न होने दें और अपने भविष्य की बागडोर खुद संभालें।बसपा की तरफ से चंद्रशेखर के इन बयानों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन हाल ही में मायावती ने एक बयान में चंद्रशेखर को ह्वबरसाती मेंढकह्व बताते हुए कहा था कि ऐसे लोग समाज की एकता को तोड़ने का काम कर रहे हैं। मायावती ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ नेता विपक्षी पार्टियों के इशारे पर बहुजन आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश में लगे हैं।

इस आरोप का चंद्रशेखर ने भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी राजनीतिक दल के मोहरे नहीं हैं और ना ही किसी के इशारे पर राजनीति करते हैं। ह्वहम बहुजन हित की राजनीति करते हैं, न कि किसी की कृपा पर खड़े रहते हैं,ह्व उन्होंने स्पष्ट किया।चंद्रशेखर की यह सियासी सक्रियता ऐसे समय में तेज हुई है जब बहुजन समाज पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। 2012 में 80 सीटें जीतने वाली पार्टी 2022 में सिर्फ एक सीट पर सिमट गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा को एक भी सीट नहीं मिली। यही वजह है कि दलित समाज का एक बड़ा तबका नेतृत्व को लेकर असमंजस में है, और इसी शून्य को चंद्रशेखर भरने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि चंद्रशेखर के लिए राह आसान नहीं है। हाल ही में उन पर एक निजी विवाद भी सामने आया, जब स्विट्जरलैंड की शोधकर्ता डॉ. रोहिणी घावरी ने उन पर भावनात्मक धोखाधड़ी, मानसिक शोषण और धोखे से पैसे ऐंठने के आरोप लगाए। रोहिणी ने यह भी कहा कि वह पिछले कई वर्षों से चंद्रशेखर से जुड़ी थीं और उन्होंने शादी का वादा कर रखा था, लेकिन अंततः उन्होंने साथ छोड़ दिया।इस मामले में अरढ ने सफाई देते हुए इसे राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया और कहा कि जैसे-जैसे चंद्रशेखर की लोकप्रियता बढ़ रही है, उन्हें बदनाम करने की साजिशें भी तेज हो रही हैं। खुद चंद्रशेखर ने भी कहा कि वह जांच के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके सामाजिक आंदोलन को किसी विवाद के जरिए कमजोर नहीं किया जा सकता।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर चंद्रशेखर इन विवादों से खुद को सफलतापूर्वक निकाल पाते हैं और जमीनी संगठन को मजबूत करते हुए दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग को साथ ला पाते हैं, तो वह उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।चंद्रशेखर ने इस बात के संकेत भी दिए हैं कि उनकी पार्टी 2027 का चुनाव अकेले लड़ेगी और किसी भी बड़े दल से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा, ह्वगठबंधन की राजनीति ने बहुजन समाज को ठगने का काम किया है। हम खुद अपनी ताकत पर चुनाव लड़ेंगे, पंचायत से लेकर विधानसभा तक। उन्होंने आगे कहा कि उनका लक्ष्य सिर्फ सीटें जीतना नहीं, बल्कि बहुजन समाज को सत्ता में निर्णायक भागीदारी दिलाना है। झांसी सम्मेलन के बाद जिस तरह अरढ के झंडे गांवों-कस्बों में लहराते दिखने लगे हैं, उससे यह तो तय है कि चंद्रशेखर अब किसी प्रयोग के दौर में नहीं हैं, बल्कि एक रणनीतिक सियासी सफर की ओर बढ़ चले हैं। चाहे वह युवाओं के बीच अपनी बात रखने की शैली हो या दलित समाज के मुद्दों को उठाने का आक्रामक अंदाज, चंद्रशेखर एक नई पीढ़ी के बहुजन नेता के रूप में उभरते नजर आ रहे हैं। फिलहाल, उत्तर प्रदेश की सियासत में चंद्रशेखर आजाद एक ऐसा नाम बनकर उभरे हैं जिसे अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वह न केवल बहुजन राजनीति में एक वैकल्पिक नेतृत्व की संभावना पैदा कर रहे हैं, बल्कि यह संकेत भी दे रहे हैं कि 2027 का चुनाव पुराने समीकरणों पर नहीं, बल्कि नई चेतना और संघर्ष की जमीन पर लड़ा जाएगा। अब देखना यह है कि यह उभार कितनी दूर तक जाता है सिर्फ नारे बनकर रह जाएगा या सत्ता के सिंहासन तक पहुंचेगा।

विद्यालय प्रवेशोत्सव में उल्लास का माहौल, तहसीलदार ने थामा नन्हें बच्चों का हाथ

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिला परिषद स्कूल कालीधोंड में विद्यालय प्रवेशोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस मौके पर तहसीलदार धोत्रे मैडम ने बच्चों का हाथ थामकर उन्हें विद्यालय में प्रवेश दिलाया, जिससे बच्चों के चेहरों पर खुशी झलक उठी। उन्होंने इस अवसर पर अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का नामांकन जिला परिषद स्कूलों में कराएं, क्योंकि इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध है। उन्होंने यह भी साझा किया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा भी इसी तरह के जिला परिषद विद्यालय में हुई थी।

कार्यक्रम में शिक्षक भाऊसाहेब शेटे ने विद्यालय की प्रगति में ग्रामीणों और अभिभावकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि भविष्य में इस स्कूल में व्यावसायिक शिक्षा के लिए एक अलग प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की योजना है। शेटे ने कहा कि सरकार ने सीबीएसई की तर्ज पर नया पाठ्यक्रम लागू किया है, जो बच्चों के लिए रुचिकर और नवोन्मेषी होगा।

इस अवसर पर समूह शिक्षा अधिकारी विजया तालकुटे द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बोरसे, पूर्व जिला परिषद सदस्य ठाणे खारपड़े, केंद्र प्रमुख चंदनसिंग जगताप और प्रिंसिपल लक्ष्मी ठाकरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 350 विद्यार्थी शामिल हुए, जबकि बड़ी संख्या में अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों ने भी उपस्थिति दर्ज कर नए छात्रों का उत्साहवर्धन किया। शिक्षक शेटे ने नवनियुक्त शिक्षकों का भी स्वागत करते हुए उन्हें विद्यालय की उज्ज्वल परंपरा को आगे बढ़ाने की शुभकामनाएं दीं।

रोटरी क्लब मोडासा के नए पदाधिकारियों ने ली शपथ, कमलेश पटेल अध्यक्ष नियुक्त

मोडासा, गुजरात। रोटरी क्लब मोडासा का शपथ ग्रहण समारोह आज भव्य रूप से ग्रैंड सर्वोत्तम होटल में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता गुजरात राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री भिक्खुसिंह परमार, रोटरी इंटरनेशनल जिला 3055 के जिला शासक श्री स्थपति निगमभाई चौधरी, तथा उप शासक श्री निमेशभाई रवानी ने की।

इस अवसर पर रोटरी क्लब मोडासा के नए अध्यक्ष के रूप में श्री कमलेश पटेल ने पदभार ग्रहण किया। उनके साथ श्री सुनील पंचाल को सचिव और श्री महेश पटेल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य नागरिक, बिल्डर, इंजीनियर, नागरिक बैंक के चेयरमैन, विभिन्न सेवा संगठनों के प्रतिनिधि तथा मोडासा नगर के पूर्व पार्षदगण उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान क्लब की आगामी स्थायी परियोजनाओं की भी घोषणा की गई, जिनमें अंतिम विश्राम स्थल और अस्थि बैंक की स्थापना, कैंसर और तंबाकू जागरूकता अभियान, मूक-बधिर बच्चों के लिए छात्रावास निर्माण, युवा जागरूकता कार्यक्रम तथा सरकारी योजनाओं को जनसामान्य तक पहुँचाने जैसे कार्य शामिल हैं।

नई कार्यकारिणी ने समाजसेवा के माध्यम से जिले और राज्य के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता जताई।

पाध्यक्ष गुलाब वझे ने केडीएमसी आयुक्त अभिनव गोयल से की मुलाकात

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण ग्रामीण के 27 गांवों को कल्याण डोंबिवली मनपा से बाहर किया जाना चाहिए ऐसा समिति के उपाध्यक्ष गुलाब वझे ने कहा है । उन्होंने यह भी कहा कि दो दिन पहले इसे अलग नगर पालिका बनाने के लिए संघर्ष समिति ने बैठक की थी। जिसमे हमारी आलोचना करने वाले सारे तक हमारे साथ थे। वही जनप्रतिनिधि आज अलग होने के बाद हमारी आलोचना कर रहे हैं। हम अलग नगर पालिका बनाने के मुद्दे पर अभी भी अडिग है। हमारा मुद्दा 27 गांवों का विकास है। हम उससे बिल्कुल भी विचलित नहीं हुए हैं, ऐसा समिति के उपाध्यक्ष गुलाब वझे ने कहा।

27 गांवों के विभिन्न मुद्दों को लेकर आज उपाध्यक्ष वझे ने कल्याण डोंबिवली मनपा आयुक्त अभिनव गोयल से मुलाकात की। इस बैठक के बाद उपाध्यक्ष वझे ने कहा कि । हमारी समिति के अध्यक्ष का पद पिछले 15 वर्षों से गंगाराम शेलार के पास है। जो अब समिति के अध्यक्ष होने का दावा कर रहे हैं। उनका कहना था कि वे एक साल पहले ही चेयरमैन बने हैं। 27 गांवों के मुद्दे पर बैठक करने में उन्हें एक साल क्यों लग गया? यह सवाल भी वझे ने उठाया है।

'प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' का मुख्यमंत्री फडणवीस ने किया शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। आदिवासी समाज के समग्र और सतत विकास हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत धरती आबा लोकसहभाग राष्ट्रीय अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों पालघर जिले के मनोर में संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक पहल के तहत महाराष्ट्र के 32 जिलों के आदिवासी बहुल गांवों में 25 महत्वाकांक्षी योजनाओं का समावेश किया जाएगा। इस अवसर पर वन मंत्री एवं पालघर जिल्ह्याचे पालकमंत्री गणेश नाईक, कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढा, आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक उईके (दूरदृश्य प्रणाली के माध्यम से), विधायक विवेक पंडित, सांसद डॉ. हेमंत सवरा, राज्य कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष पाशा पटेल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने बोलते हुए कहा कि यह योजना आदिवासी समाज के जीवन में आधारभूत बदलाव लाने वाली है। पालघर जिले के 635 गांवों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। जिन गांवों में 500 से अधिक आदिवासी जनसंख्या है या 50% से अधिक आदिवासी निवास करते हैं, उन्हें योजना में शामिल किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, पालघर और गडचिरोली जैसे जिलों में 50 से अधिक आदिवासी जनसंख्या वाले गांव भी इसमें शामिल किए जाएंगे।

धरती आबा योजना के तहत मिलने वाली प्रमुख सुविधाओं में हर घर में नल से जल, हर घर को बिजली, रसोई गैस कनेक्शन, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, मातृ-शिशु कल्याण, कौशल विकास और रोजगार के अवसर, बाल मृत्यु दर में कमी के उपाय, 17 विभागों की 25 योजनाओं का समेकित क्रियान्वयन आदि शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान अतुलनीय रहा है। इसी कारण इस योजना को ॒धरती आबा॒ नाम दिया गया है।

वन मंत्री व पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक ने प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के शुभारंभ मौके पर घोषणा की कि आगामी वर्षों में पालघर जिले में 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने जा रहा है, जिससे 10 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा राज्य को दिशा देने के लिए 100 दिनों का सात सूत्रीय कार्यक्रम दिया गया था, जिसे सभी विभागों ने सफलतापूर्वक पूरा किया है। जल्द ही 150 दिनों का नया एक्शन प्लान भी घोषित किया जाएगा। वन विभाग के तहत राज्य में 11 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वहीं आगामी साढ़े चार वर्षों में 250 करोड़ पौधे लगाने की योजना बनाई गई है। पालघर जिले को ॰प्लास्टिक मुक्त॰ और ॰दुर्गंध मुक्त॰ बनाने की दिशा में भी अभियान शुरू किए गए हैं।कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढा ने कहा कि पालघर की 735 शासकीय स्कूलों में कौशल विकास से संबंधित पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है।

विशेष रूप से वाढवण बंदरगाह परियोजना के तहत आवश्यक उद्योग आधारित पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने मोखाडा व वाडा की शासकीय माध्यमिक विद्यालयों की नई इमारतों और प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत जव्हार तालुका के बहुउद्देशीय केंद्रों का वर्चुअल उद्घाटन किया। सामंजस्य करार और रोजगार के तहत कौशल विकास विभाग एवं वाढवण पोर्ट प्रा. लि. के बीच एमओयू, जेएनपीए व यूनियन बैंक के सहयोग से डायमेकर क्लस्टर हेतु वित्तीय सहायता, वसई-विरार आईटीआई विद्यार्थियों को एआई आधारित प्रशिक्षण हेतु सीआईआई के साथ करार, ब्लू स्टार प्रा. लि. के साथ औद्योगिक प्रशिक्षण हेतु सहयोग, कस्टम डॉक्युमेंटेशन कोर्स पूरा करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पालकमंत्री गणेश नाईक ने विरार पूर्व के खैरपाड़ा में 'बांबू लागवड़ अभियान' का शुभारंभ कर पर्यावरण-संवेदनशील विकास का संदेश दिया मुख्यमंत्री ने वसई-विरार क्षेत्र के पुलिस आयुक्तालय की नई इकाइयों का और सर डीएम पेटिट अस्पताल की विस्तारित इमारत का वर्चुअल उद्घाटन किया।

फ्लिक्सबस ने पश्चिम भारत में किया सेवा विस्तार

मुंबई। यात्रा तकनीक और किफायती परिवहन में विश्व में अग्रणी फ्लिक्सबस ने अपने इंटरस्टेट बस नेटवर्क का विस्तार करते हुए मुंबई और इंदौर को जोड़ने वाले एक नए इंटरसिटी रूट की शुरूआत की घोषणा की है। यह फ्लिक्सबस के नेटवर्क के महत्वपूर्ण विस्तार का प्रतीक है, जो पश्चिम भारत में अपनी उपस्थिति को मजबूत करता है और इस क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय यात्रा मार्गों में अपनी आधुनिक सुविधा, सुरक्षा और किफायतीपन का अनूठा संयोजन लेकर आता है।फ्लिक्सबस मुंबई और इंदौर के बीच प्रतिदिन रात में डिपार्चर देगा, जिसे भारत बेंज स्लीपर बसों द्वारा संचालित किया जाएगा। प्रत्येक बस में 36 बेड, एयर कंडीशनिंग, जीपीएस ट्रैकिंग और सभी यात्रियों के लिए चार्जिंग पोर्ट्स उपलब्ध होंगे। यात्रियों की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए फ्लिक्सबस 24७7 इन्सिडेंट रिस्पॉन्स टीम भी उपलब्ध कराएगा, जिससे सभी यात्रियों को सुरक्षित और निर्बाध यात्रा का अनुभव मिलेगा। फ्लिक्सबस इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सूर्य खुराना ने कहा, हम उत्तरी और दक्षिणी भारत में सफल संचालन और सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद पश्चिमी क्षेत्र में अपनी किफायती और आरामदायक यात्रा सेवा का विस्तार करते हुए उत्साहित हैं। मुंबई-इंदौर मार्ग की शुरूआत के साथ, हम देशभर के शहरों को सुरक्षित, सतत और नवोन्मेषी मोबिलिटी सॉल्यूशंस के माध्यम से जोड़ने के अपने मिशन की ओर एक और कदम बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्नेहा दुबे पंडित के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती स्नेहाताई दुबे पंडित के वसई के मानिकपुर स्थित मुख्य जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के द्वारा 16 जून 2025 को किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रीमती स्नेहाताई को ॰संघर्ष कन्या॰ के रूप में संबोधित करते हुए उनकी संघर्षशीलता और समर्पण की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने वसई-विरार क्षेत्र के पिछले 20 वर्षों के विकास कार्यों की कमी को स्वीकार करते हुए, अगले 5 वर्षों में इन कार्यों को पूरा करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि वसईकरों को अब केवल विधानसभा चुनाव तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि महानगरपालिका चुनावों में भी भाजपा को जीत दिलाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करना चाहिए।

इस उद्घाटन समारोह में भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री विवेक भाऊ पंडित, पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत सावरा, भाजपा महाराष्ट्र संगठन मंत्री हेमंत म्हात्रे, विधान परिषद सदस्य निरंजन दावखरे, नालासोपारा विधानसभा विधायक राजन नाइक, भाजपा महाराष्ट्र सचिव श्रीमती रानीताई द्विवेदी, भाजपा वसई विरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, माजी जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, शिवसेना जिला अध्यक्ष नीलेश तेंदुलकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी जिला अध्यक्ष राजाराम मुलिक, आरपीआई जिला अध्यक्ष ईश्वर धुले सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी, वसईकर नागरिक और पत्रकार उपस्थित थे। इस उद्घाटन के साथ ही श्रीमती स्नेहाताई दुबे पंडित के नेतृत्व में वसई क्षेत्र के विकास की नई दिशा की शुरूआत हुई है।

प्रदूषण की रोकथाम के लिए कुर्ला एल वार्ड द्वारा चलाया गया अवैध भट्टियों पर तोडू कार्यवाही

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज मुंबई उपनगर के अनेक इलाकों में प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है। कुर्ला, गोवंडी, मानखुर्द की झोपड़पट्टियों में लघु उद्योग और अवैध रूप से एल्यूमिनियम गलाने की भट्टियां बड़े पैमाने पर चलाई जा रही है। इस कारण रहिवासी इलाकों में फैल रहे प्रदूषण की रोकथाम के लिए कुर्ला एल विभाग की ओर से वार्ड क्रमांक १५९ असल्फा व खैरानी रोड पर अनाधिकृत भट्टियों पर तोडक कार्यवाही शुरू की गई है। अब तक लगभग 15 भट्टियां मनपा की ओर से तोड़ी जा चुकी हैं। एल वार्ड मनपा की ओर से शुरू की गई कार्यवाही वायू प्रदूषण को रोकने के लिए की गई है।

बता दें कि साकीनाका के खैरानी रोड, अजीज कंपाउंड के समीप की बस्तियों , श्री नगर, यादव नगर में लंबे समय से अवैध भट्टियां चलाई जा रही है। इन भट्टियों में एल्यूमीनियम गलाया जाता है । जिससे प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही। ऐसे में एल विभाग के सहाय्यक आयुक्त धनाजी हेरलेकर ने इस समस्या को संज्ञान में लेते हुए अवैध भट्टियों पर तोड़क कार्यवाही शुरू कराई है। सहायक आयुक्त के आदेश पर सहाय्यक अभियंता सचिन बेलदार,संजय दुधभाते,संदिप खरात के मार्गदर्शन मे कनिष्ठ अभियंता अमोल गवळी, देशमुख,रणजित चव्हाण के नेतृत्व मे कार्यवाही की गई। आगे भी कार्यवाही शुरू रहेगी। जब तक कुर्ला पूर्ण रूप से प्रदूषण मुक्त नही होगा। यह तोडू कार्यवाही शुरू रहेगी।

यातायात पुलिस द्वारा लगाए गए अनुचित जुर्माने से रिक्शा चालक नाराज, किया विरोध प्रदर्शन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पिछले दो दिनों से शहर में यातायात पुलिस द्वारा रिक्शा चालकों पर लगाए गए अनुचित जुर्माने को लेकर रिक्शा चालक आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। इसके विरोध में रिक्शा संघ के पदाधिकारियों ने भिवंडी यातायात विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त शरद ओहोल के कार्यालय के बाहर आक्रोशपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया है । शहर में राजनोली नाका और अशोक नगर क्षेत्र में यातायात पुलिस अतिरिक्त यात्री, वर्दी या ड्राइविंग लाइसेंस न रखने वालों के खिलाफ अनुचित कार्रवाई कर रही है और 11,500 रुपये का जुमार्ना लगा रही है। पिछले दो दिनों में 20 से अधिक ऐसी कार्रवाइयों को लेकर रिक्शा चालकों ने अपना आक्रोश व्यक्त किया है । रिक्शा संघ के नेता गिरीश झवेरी और कामरेड विजय कांबले ने सहायक पुलिस आयुक्त शरद ओहोल से मुलाकात की और चेतावनी दी कि इस अनुचित कार्रवाई को तुरंत रोका जाना चाहिए,

अन्यथा रिक्शा चालक यूनियन सड़कों पर उतरकर जोरदार विरोध करेंगे । जिन रिक्शा चालकों के पास अतिरिक्त यात्री , वर्दी या ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है उनके खिलाफ उचित नियमों के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए लेकिन यातायात पुलिस पिछले दो दिनों से सीधे उन लोगों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम की धारा 66/192 के तहत परमिट नहीं होने की कार्यवाई कर रही है । कामरेड विजय कांबले ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह अनुचित है और कानून का उल्लंघन है ।

राजनीति में अग्रवाल समाज को भी चाहिए हिस्सेदारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अग्रोहा विकास ट्रस्ट, मुंबई, केंद्रीय समिति की मीटिंग जी टीवी बोर्डरूम, वर्ली, मुंबई में रखी गई। अग्रोहा विकास ट्रस्ट के प्रेरणास्त्रोत डॉ सुभाषचंद्र, राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तम अग्रवाल, अग्रोहा विकास ट्रस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सचिन अग्रवाल, अग्रोहा विकास ट्रस्ट केंद्रीय समिति मुंबई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, महामंत्री अल्केश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रवि अग्रवाल, प्रचार मंत्री डॉ. महेश अग्रवाल, महाराष्ट्र जिला समिति के पीआरओ डॉ. कमल गुप्ता, एवं विभिन्न समितियों के 30 से ज्यादा अध्यक्ष एवं मंत्री उपस्थित रहे। अग्रोहा विकास ट्रस्ट, मुंबई के पूर्व अध्यक्ष सचिन अग्रवाल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की बड़ी जवाबदारी राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तम अग्रवाल द्वारा दी गई। डॉ. सुभाष चंद्र ने फूलों के गुलदस्ते के साथ राष्ट्रीय कार्यकारिणी में स्वागत किया। दिनेश अग्रवाल (निधिवन) को अग्रोहा विकास ट्रस्ट, मुंबई, केंद्रीय समिति के अध्यक्ष पद पर नवाजा गया। उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तम अग्रवाल एवं सुभाष चंद्र द्वारा फूलों के गुलदस्तों के साथ सम्मानित किया गया। अग्रोहा विकास ट्रस्ट मुंबई के महामंत्री अल्केश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रवि अग्रवाल एवं प्रचार मंत्री डॉ. महेश अग्रवाल को फिर से एक बार अग्रोहा विकास ट्रस्ट, केंद्रीय समिति, मुंबई में मनोनीत किया गया। डॉ. सुभाष चंद्र व उत्तम अग्रवाल द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सभी को केंद्रीय समिति की जवाबदारी सौंपी गई। ट्रस्ट के सदस्यों का मार्गदर्शन करते हुए डॉ सुभाष चंद्र ने कहा कि, आज के जमाने में अग्रवाल समाज ने एकजुट होकर काम करना चाहिए तथा एक दूसरे के व्यवसाय में कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहिए। अग्रवाल समाज ने हमेशा ही सामाजिक कार्य में अपना हाथ बंटाया है। समाज के लिए कुछ अच्छा काम करना हो, तो सभी की एकता और विश्वास दिखाना होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तम अग्रवाल ने कहा कि हमें अग्रवालों के अलग-अलग ट्रस्ट एवं समाज में नहीं बंटना चाहिए। हमें राष्ट्रीय स्तर पर एकता दिखानी होगी। उन्होंने बताया कि पूरे राष्ट्र में करीब 8 करोड़ अग्रवाल की संख्या होते हुए भी देश की राजनीति में हमारी भागीदारी बहुत ही कम है। हमें भी देश की राजनीति में हमारी संख्या बल के हिसाब से प्राथमिकता मिलनी चाहिए। ताकि हम हमारे समाज के गरीब परिवार को उसका हक दिलाने में मदद कर सकें, और हमारे समाज की सभी तरह की समस्याओं का समाधान कर सके।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सचिन अग्रवाल ने कहा कि हम अग्रोहा विकास ट्रस्ट को एक नई ऊंचाई पर ले जाकर खड़ा करना

चाहते हैं। अग्रोहा विकास ट्रस्ट, मुंबई केंद्रीय समिति अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने कहा कि हमें हमारे अग्रवाल समाज के लिए अग्रवालों के सभी ट्रस्ट को मिलकर बड़े स्तर पर प्रोग्राम करने चाहिए और उसके लिए मैं अपनी पूरी निष्ठा से कार्य करूंगा। महामंत्री अल्केश अग्रवाल ने बताया कि अग्रोहा विकास ट्रस्ट की पुरुष, महिला एवं युवा की 60 समिति, 8,000 मेंबर के साथ अपने अपने एरिया में बहुत अच्छा सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्य कर रही है। उपस्थित सभी सदस्यों व पदाधिकारियों को अध्यक्ष ने धन्यवाद देते हुए कहा कि अग्रवाल समाज को एकजुट होकर एक-दूसरे की मदद करते हुए समाज के लिए कार्य करना चाहिए।

महाकाल मंदिर में डॉ. रविंद्र मिश्रा का भव्य स्वागत, धर्म-संस्कृति व सेवा का मिला संदेश

मुंबई(उत्तरशक्ति)। धार्मिक नगरी उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को एक विशेष समारोह के दौरान शाश्वत सनातन न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के मुख्य महासचिव डॉ. रविंद्र मिश्रा का अत्यंत भव्य स्वागत किया गया। आयोजन की भव्यता और श्रद्धा ने इसे आस्था, संस्कृति और राष्ट्रसेवा के अद्भुत संगम का प्रतीक बना दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व शाश्वत सनातन न्यास के कार्यकारी अध्यक्ष श्री अभिमन्यु शर्मा ने किया। डॉ. मिश्रा का पारंपरिक तोल-तासे के साथ स्वागत हुआ और उन्हें श्री महाकाल की दिव्य प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान पूरा परिसर 'जय महाकाल' के घोष से गूंज उठा। इस अवसर प्रमुख रूप से डॉ. अक्षता भट, राष्ट्रीय अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ), प्रमोद

कुमार तिवारी, संस्थापक, रुद्र टूर एंड ट्रैवल, समीता पाटिल, बोईसर सिटी अध्यक्ष, गौतम पाटिल, सामाजिक कार्यकर्ता अशोक बालसोरा, प्रदेश अध्यक्ष, मध्यप्रदेश, वरिष्ठ पत्रकार चेतन, अधिवक्ता कल्पना गौर उपस्थित रही। सभी अतिथियों ने डॉ. मिश्रा के सामाजिक सेवा, संगठनात्मक नेतृत्व और सनातन मूल्यों के संरक्षण में उनके योगदान की प्रशंसा की। डॉ. मिश्रा ने श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के विधिवत दर्शन और पूजन कर राष्ट्र की एकता, संगठन की प्रगति और समाज के सर्वांगीण कल्याण की कामना की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहाः उज्जैन की इस पुण्यभूमि से मुझे धर्म, सेवा और संस्कृति के प्रति जो आशीर्वाद मिला है, वह जीवन भर मेरे लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा। यह स्वागत समारोह केवल एक सम्मान कार्यक्रम नहीं, बल्कि सशक्त सामाजिक नेतृत्व और संवेदनशील सांस्कृतिक चेतना का सशक्त संदेश बनकर उभरा। उज्जैनवासियों सहित समस्त संगठनजनों के लिए यह एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण बन गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

गजब जौनपुर में पत्नी को फोन पर प्रेमी से बात करते पकड़ा तो करवा दी शादी

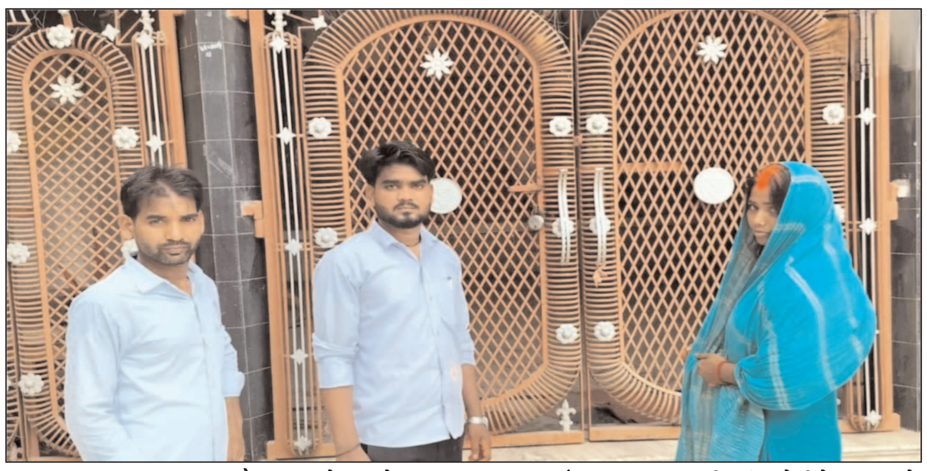

सुइथाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उक्त क्षेत्र के जंगीपुर गाँव से एक गजब की खबर सामने आई है। सोमवार को सरायमोदिउद्दिनपुर स्थित मन्दिर में एक पति ने अपनी ही पत्नी की शादी उसके प्रेमी के साथ करा दी है। कथित तौर पर पत्नी का उसके गाँव के ही एक युवक के साथ प्रेम संबंध था। शादी सभी पक्षों की सहमति से सम्पन्न हुई। रियाजुल की जानकारी के अनुसार जंगीपुर निवासी अरविन्द बिन्द ने साल 2023 में धूमधाम से जमदहा निवासी रीता बिंद से शादी की थी। शादी के बाद कुछ महीने रीता गाँव में ससुराल पर रही उसके पश्चात अरविन्द अपनी पत्नी को लेकर नोएडा चला गया। वहाँ पर पति ने देखा पत्नी अक्सर किसी लड़के से फोन पर बात करती है।

पूछने पर पत्नी ने रिश्तेदार से बात करने का हवाला देते हुए बात को टाल दिया लेकिन तभी से पति के अन्दर शक घर कर गया। इसी दौरान पत्नी की तबियत खराब हुई और उसने मायके जाने की जिद की तो पति ने टिकट करके पत्नी को मायके भेज दिया। कुछ दिन तक पति पत्नी में सामान्य बातचीत फोन पर होती रही फिर अचानक पत्नी का फोन बन्द हो गया। ससुराल में फोन करने पर पता चला कि वह अपनी बहन के यहाँ गई है फिलहाल ससुराली जनों के द्वारा पत्नी से किसी तरह बात हुई तब जाकर पत्नी कथित प्रेमी के साथ रहने के लिये जिद करने लगी। काफी समझाने बुझाने के बाद भी जब पत्नी नहीं मानी तो आखिरकार उसके हठ के आगे झुकते हुए पति ने अपनी पत्नी की शादी उसके ही प्रेमी के संग करवा दी। क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। आजकल अक्सर लड़कियां शादी से पहले कही न कही किसी लड़के से चोरी छुपे बाते करती है घर वालों को मालूम होता है लेकिन लोक लाज से वह लड़की की शादी कही और कर दे रहे है जो बाद में घातक बन जा रहा है ऐसा पिछली कई घटना से सामने आ चुका है।

लायंस क्लब सेवा कार्यों में अग्रणी संगठनः डा.अर्पण

लायंस क्लब रॉयल का अधिष्ठापन समारोह सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।लायंस क्लब्स इन्टरनेशनल की स्थानीय शाखा लायंस क्लब जौनपुर रॉयल का तृतीय अधिष्ठापन समारोह रविवार को देर शाम नगर के एक गार्डन में बहुत ही भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन डा.अर्पणधर दूबे ने इस अवसर पर कहा लायंस क्लब विश्व के दो सौ दस देशों में निरंतर अपनी सेवाएं दे रहा है लायंस क्लब सेवा कार्यों में सबसे अग्रणी संगठन है इसका सदस्य होना गर्व की बात है उन्होंने कहा इस वर्ष लायंस इंटरनेशनल के राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत से चुने गए हैं ! कार्यक्रम की शुरूआत सभी अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया तत्पश्चात श्वेता साहू ने ध्वज वंदना का पाठ किया सभी का स्वागत क्लब अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने करने के पश्चात अपने कार्यकाल की उपलब्धियों को सभागार में रक्खा और वर्ष पर्यन्त सहयोग प्रदान करने वाले सभी सदस्यों को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया ! सचिव अजय सोनकर ने वर्ष पर्यन्त किये गये कार्यों की? सचिव रिपोर्ट प्रस्तुत किया।इंस्टालेशन आफिसर उदय चंदानी ने नवचयनित अध्यक्ष संजीव साहू सचिव बालकृष्ण साहू सहित सभी कैबिनेट सदस्यों को अधिष्ठापित कराते हुए उनके कार्यों का बोध कराया वहीं इन्डक्शन आफिसर उमेश कक्कड़ ने नये सदस्य सिद्धार्थ साहू को दीक्षा देकर क्लब की सदस्यता ग्रहण कराया। नवचयनित अध्यक्ष संजीव साहू ने कहा सभी सदस्यों ने जो मुझे जिम्मेदारी दिया है मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा चार्टर अध्यक्ष अजय गुप्ता ने सभी को अपनी शुभकामनाएं देते हुए क्लब द्वारा किए गए कार्यों की सराहना किया।इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राजकुमार कश्यप ने मुख्य अतिथि के करकमलों से एक लकी ड्रा कराया जिसके विजेता अजय मोदनवाल, जितेंद्र सोनी, नित्यानंद गुप्ता रहे प्रोग्राम ?डायरेक्टर अभिषेक बैंकर,विनय साहू सहित रवि शर्मा, विनोद अग्रहरि ने कार्यक्रम को भव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी कार्यक्रम का सुन्दर संचालन प्रथम उपाध्यक्ष अभिताश गुप्ता ने किया सभी के प्रति आभार कार्यक्रम संयोजक आनंद साहू ने व्यक्त किया।इस अवसर पर पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि रामसूरत मौर्य, सरार्फा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार सेठ, श्याम मोहन अग्रवाल,मो.रजा खान,मो.मुस्तफा, राधे रमण जायसवाल, विवेक सिंह, श्रवण जायसवाल,प्रिति गुप्ता, रेनू बैंकर,विभा गुप्ता, उर्वशी सिंह,रीता कश्यप,मनीष गुप्ता, आशीष चौरसिया, रजनी साहू, अवनिंद्र तिवारी, बम्हेश शुक्ला, आशीष गुप्ता, रसाल बरनवाल, राजेश किशोर, संजय वर्मा, शम्भूनाथ सोनी, विनीत गुप्ता, प्रदीप प्रधान, राजेश अग्रहरि, राजेशराज गुप्ता, सहित अनेकों संस्थाओं के पदाधिकारीगण व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इमामपुर में शुरू हुआ जल टंकी का निर्माण कार्य, सुजीत वर्मा की मांग का दिखा असर

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर घर जल योजना के अंतर्गत जौनपुर जिले के शाहगंज तहसील स्थित खुटहन ब्लॉक के इमामपुर ग्रामसभा में लंबे समय से अधूरे पड़े जल टंकी निर्माण कार्य को आखिरकार शुरू कर दिया गया है। गौरतलब है कि इमामपुर में जल टंकी के बिना ही घर-घर नल कनेक्शन दे दिए गए थे। लेकिन न तो जल आपूर्ति की व्यवस्था थी और न ही टंकी का निर्माण हो पाया था। योजना की समयसीमा बीत जाने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया था, जिससे ग्रामीणों में गहरी नाराजगी थी।समस्या को देखते हुए समाजसेवी सुजीत वर्मा ने टंकी निर्माण की मांग को लेकर चेतावनी दी थी कि यदि तत्काल कार्य शुरू नहीं हुआ तो वह धरना-प्रदर्शन के लिए विवश होंगे। मीडिया रिपोर्ट और जनदबाव को देखते हुए जल निगम विभाग हरकत में आया और इमामपुर में जल टंकी निर्माण कार्य को तेजी से शुरू करवा दिया। ग्रामीणों ने कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और इस मुद्दे को उठाने वाले समाजसेवी सुजीत वर्मा का आभार जताया। ग्रामीणों को अब उम्मीद है कि जल्द ही उन्हें शुद्ध पेयजल की सुविधा मिलेगी।

केराकत : शादी का झांसा देकर युवक ने किया दुष्कर्म

शादी से किया इन्कार तो पीड़िता न्याय के लिए पहुंची कोतवाली

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।केराकत कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की युवती ने अपने ही गांव के एक युवक पर कई सालों से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया।युवती का आरोप है कि युवक चार वर्ष पूर्व मिला और धीरे धीरे प्यार हो गया जिसके बाद जौनपुर के एक होटल में ले जाकर जबजस्ती शारीरिक संबंध बनाते समय चोरी से वीडियो बना लिया। वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी देकर कई बार बार दुष्कर्म करता रहा।लगभग दो वर्ष पूर्व अपने साथ भगा ले गया और मनमानी करने के बाद किसी को न बताने के शर्त पर घर छोड़ दिया।इस दौरान पिता ने कोतवाली में गुमसुदगी का मुकदमा दर्ज करा दी।पिता ने आठ जून शादी तय कर दी, शादी की खबर होते ही दोबारा वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा।जिसके बाद मौसी के घर से शादी करने का निर्णय परिवार द्वारा लिया गया। युवक द्वारा शादी तोड़ने का दबाव बनाने के साथ ही होने वाले पति का नंबर हासिल कर उनके मोबाइल पर अनाप शनाप व्हाट्सएप चैटिंग भेजने के साथ ही अश्लील फोटो व वीडियो भेज दिया और शादी टूट गई। जिससे परिवार पर आर्थिक, मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही पीड़िता ने आरोप लगाया कि पिछले एक हफ्ते से न्याय के लिए थाने का चक्कर काट रही हूं मगर अभी तक हमारा मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

आपसी झगड़े में बड़े भाई को उतरा मौत के घाट, तीन लोगों को किया गया गिरफ्तार

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के फूलपुर थाना अंतर्गत गंगापुर, मंगारी गांव में सोमवार रात मामूली विवाद ने खूनी रुप धारण कर लिया। इसमें दो भाइयों अनिल और सुभाष ने अपने बड़े भाई रमेश राम (50) की लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना की छानबीन में जुट गई। पुलिस ने तीन को हिरासत में लिया है।रमेश और बड़े भाई सुभाष में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों छोटे भाइयों ने गुस्से में रमेश पर हमला बोल दिया। स्थानीय लोगों ने सुनकर बीच बचाव की कोशिश की, लेकिन तब तक दोनों भाइयों ने लाठी-डंडों से रमेश को इतनी बेरहमी से पीटा कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल रमेश को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तीन आरोपियों अनिल, सुभाष और सुभाष की पत्नी फुलकुमारी को हिरासत में लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। रमेश के पांच बच्चे हैं जिसमें चार बेटियां और एक बेटा है। रमेश राजगीर मिस्त्री का काम कर परिवार का भरण पोषण करता था:पुलिस ने पूरे मामले की छान-बीन शुरू कर दी है और घटना को लेकर आरोपियों से पूछताछ जारी है।

सीएम योगी पहुंचे ताज होटल, लिया मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की तैयारियों का जायजा

वाराणसी(उत्तरशक्ति) । जनपद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिन मंगलवार को वाराणसी दौरे के दूसरे दिन होटल ताज पहुंचे। यहां उन्होंने आगामी 24 जून को प्रस्तावित मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक को लेकर तैयारियों के में गहन चर्चा एवं जायजा लिया। साथ ही सीएम योगी ने इसके संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं इस मौके पर मंडलायुक्त एस राजलिंगम द्वारा बैठक के संबंध में की गई तैयारियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। निरीक्षण के दौरान जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टाम्प राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पूनम मौर्य, विधायक डॉ अवधेश सिंह, मंडलायुक्त एस राजलिंगम, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार उपस्थित रहे।

जौनपुर में युवक ने विषाक्त पदार्थ खा कर दी जान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सुजानगंज उक्त क्षेत्र के अचकारी गांव निवासी नीरज मिश्रा(31)सोमवार की देर रात किसी विषाक्त पदार्थ खा लेने से अपनी जान ले लिया। जानकारी होने पर परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुजानगंज ले आए। जहां उसकी हालत गंभीर स्थिति में देखते हुए चिकित्सको ने जिला चिकित्सालय भेज दिया।परिजन जिला चिकित्सालय जा रहे थे कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई, तो परिजन शव लेकर घर आ गए।सुबह जब पुलिस को जानकारी हुई तो पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया। युवक द्वारा विषाक्त पदार्थ खाने का कारण का पता नहीं चल सका है।

झपटा मार मोबाइल लेकर भाग जाने से सम्बन्धित तीन बाल अपचारी गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खुटहन पुलिस द्वारा झपटा मारकर मोबाइल लेकर भाग जाने से सम्बन्धित 3 बाल अपचारी को किया गया गिरफ्तार । पूर्व की घटना का संक्षिप्त विवरण 16.06.2025 सुबह वादी धर्मेन्द्र विन्द पुत्र स्व0 धनई विन्द ग्राम भटपुरा थाना खुटहन जनपद जौनपुर के लड़के अनुराग से सड़क के किनारे खडा था जिसको मोटर साईकल गाडी जिसका रजि0 नं0 UP 62CF 7869 पर सवार तीन ज्ञात व्यक्तियो द्वारा झपटा मारकर मोबाइल लेकर भाग जाने के सम्बन्ध में तहरीर प्राप्त हुआ जिसके आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 157/2025 धारा 115(2)/304(2), 317(2) बीएनएस बनाम मोटर साईकिल UP 62CF 7869 पर सवार तीन पंजीकृत हुआ। विवेचना से बाल अपचारी 1. देव दुबे पुत्र स्व राहुल दुबे निवासी अमावाकला थाना सरपतहा जनपद जौनपुर उम्र करीब 17 वर्ष 2. विपुल विश्कर्मा पुत्र विरेन्द्र विश्वकर्मा निवासी अमावाकला थाना सरपतहा जनपद जौनपुर उम्र करीब 16 वर्ष 3. देव सिह पुत्र अरविन्द सिह निवासी अमावाकला थाना सरपतहा जनपद जौनपुर उम्र करीब 15 वर्ष का नाम प्रकाश में लाया गया । गिरफ्तारी व फर्द बरामदगी के आधार पर अभियोग उपरोक्त में धारा 317(2) की बढोत्तरी की गयी । गिरफ्तारी 17.06.2025 को उ0नि0 व0उ0नि0 तरून श्रीवास्तव मय हमराह व का0 सुरेन्द्र कुमार वर्मा ,का0 कुलदीप गोस्वामी,का0 अजय यादव,का0 अनुपम गुप्ता,का0 मान सिह,का0 ओमकार यादव,का0 विजयशंकर यादव ,का0विपिन जायसवाल ,म0का0 अन्जू यादव ,म0का0 संध्या के साथ मुखवीर खास की सूचना पर समय करीब 05.30 बजे सेवईनाला पुल से बाल अपचारीगण को गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर लाकर अन्य अग्रिम विधिक कार्यवाही किया जा रहा है । पूछताछ में अपचारीगण द्वारा पूछताछ में बताये साहब हम तीनो लोग मोटरसाइकिल से कल सुबह 9.30 बजे खुटहन के तरफ से पटैला की तरफ जा रहे थे भटपुरा के पास जहा पर बिल्डिग मैटरियल की दुकान है एक लड़का सड़क के किनारे खड़ा थे जिसको थप्पड मार करके झपटा मारकर उसका मोबाइल लेकर के पटैला के तरफ भागे कि वह लोग पीछा करने लगे तथा आगे से 112 नम्बर आ गयी घेराबन्दी कर लिये हम लोग पट्टी के पास नरेन्द्रपट्टीपुर के पास गाड़ी खड कर के भाग गये।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता और उप संचालक चकबन्दी मुख्यालय आलोक कुमार व बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, मुख्यालय परवेज अख्तर अंसारी की उपस्थिति में चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।बैठक में चकबन्दी कार्यों में सर्वे, तरमीन, पड़ताल की समीक्षा, कब्जा परिवर्तन के ग्रामों की प्रगति की समीक्षा एवं सत्यापन, अंतिम अभिलेखों की तैयारी की समीक्षा, मा० उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश से प्रभावित ग्रामों की समीक्षा की गयी। चकबन्दी न्यायालय में 05 वर्ष से अधिक समय से लम्बित बादों की समीक्षा, 10 वर्ष एवं 30 वर्ष से अधिक समय से चकबन्दी प्रकिया में लम्बित ग्रामों की गहन समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि जो गांव सर्वे/तरमीम स्तर पर लंबित है, उन्हें निर्धारित लक्ष्य के अनुसार ससमय कार्य पूर्ण करें और जितने भी अवरोध है उन्हें निस्तारित करते हुए समय से कार्य पूर्ण कराये। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, सहायक चकबन्दी अधिकारी, चकबंदीकर्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

लालगंज तहसील परिसर में भारी जल जमाव से बढ़ी समस्या

मुहम्मद आरिफ

लालगंज, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आदर्श नगर पंचायत कटघर लालगंज के तहसील परिसर में भारी जल जमाव से बढ़ी समस्या सोमवार को देर रात हुई पहली बारिश में ही तहसील कार्यालय व आवासीय परिसर में जल जमाव हो गया। मंगलवार को तहसील कार्यालय परिसर का पानी तो दिन में धीरे-धीरे कम हो गया लेकिन उपजिलाधिकारी आवास व क्षेत्राधिकारी कार्यालय आवास सहित अधिवक्ता भवन के समीप एवं अन्य अधिकारियों कर्मचारियों के आने जाने वाले आवासीय रास्ते पर लगा है ।गन्दे पानी का जल जमाव से लोगों की बढ़ी मुश्किल। अधिवक्ता कृष्ण कुमार मोदनवाल, जितेन्द्र सिंह ने बताया कि लालगंज तहसील परिसर की जल निकासी की व्यवस्था सही नहीं है।नगर पंचायत द्वारा बनाए गए नाले का ढाल सही नहीं है । जिससे नगर का पानी बरसात में तहसील परिसर में उल्टा आ जाता है। जिससे भारी जल जमाव एवं गंदगी जमा हो जाती है अधिवक्ता, वादकारी, कर्मचारियों को गंदे पानी से पैदल गुजरना पड़ता है।

डायबिटीज को नियंत्रित करने हेतु स्वस्थ जीवनशैली अपनाये :डॉ एन के सिन्हा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायन्स क्लब जौनपुर मेन द्वारा डायबिटीज (मधुमेह) शिविर का आयोजन स्थान होटल रघुवंशी मे किया गया। जिसमें मधुमेह से पीड़ित लोगों को इस बीमारी के प्रबंधन और शिक्षा के बारे में जानकारी और सहायता प्रदान की गई। लोगों को स्वस्थ जीवनशैली, आहार, व्यायाम, और रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी के बारे में सिखाया गया है।इस अवसर पर मुख्य वक्ता वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एन के सिन्हा ने डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपको अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करने होंगे जैसे स्वस्थ संतुलित आहार ले, नियमित व्यायाम या परिश्रम करें, पर्याप्त नींद सात से आठ घंटे ले और तनावपूर्ण स्थितियों से बचें। यदि आपके डॉक्टर ने आपको दवाएं निर्धारित की हैं, तो उन्हें समय पर लें। अपने डॉक्टर से नियमित रूप से जांच करवाएं और उनकी सलाह का पालन करें। डॉ .क्षितिज शर्मा ने कहा कि देश भर में लाखों लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 77 मिलियन लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। इसलिए, किसी भी तरह से डायबिटीज को रोकना महत्वपूर्ण है। यदि डायबिटीज का उचित प्रबंधन नहीं किया जाता है, तो इससे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, किडनी की बीमारी, तंत्रिका क्षति और दृष्टि हानि जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। यदि डायबिटीज को समय रहते कंट्रोल कर लिया गया तो इससे स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिलेगी।डॉ. वी एस उपाध्याय ने डायबिटीज रोग के लक्षणों बताते हुए कहा कि प्यास में वृद्धि (पॉलीडिप्सिया) और मुंह सूखना, जल्दी पेशाब आना, थकान, धुंधली दृष्टि, अस्पष्टीकृत वजन घटना, आपके हाथ या पैर में सुन्नपन या झुनझुनी होना, घाव का देर से ठीक होना, बार-बार त्वचा और/या योनि में यीस्ट संक्रमण होना। यदि आप या आपके परिवार में ये लक्षण हों तो अपने चिकित्सक से बात करना महत्वपूर्ण है।

इसके पूर्व संस्थाध्यक्ष संजय केडिया ने लोगों का स्वागत किया। आभार डॉ संदीप मौर्य ने व्यक्त किया। संचालन सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर दिनेश टंडन पूर्व अध्यक्ष नगरपालिका परिषद, माया टंडन, राजेश राज गुप्ता, कोषाध्यक्ष रामकुमार साहू, डॉ अजीत कपूर, डॉ मदन मोहन वर्मा, अरूण त्रिपाठी, सुरेश चन्द्र गुप्ता, शकील अहमद, मनोज चतुर्वेदी, शर्मिला सिन्हा, सोमेश्वर केसरवानी, गोपी चन्द्र साहू, शत्रुघ्न मौर्य, संजय श्रीवास्तव, अमित पाण्डेय, संदीप गुप्ता, अश्वनी बैंकर, शिवानन्द अग्रहरी, आर पी सिंह, लखन श्रीवास्तव, मदन गोपाल, अनिल गुप्ता, योगेश साहू, रंजीत सिंह, संजय सिंघानिया, रितेश साहू, अनिल वर्मा, सुशील अग्रहरी व वीरेंद्र मौर्य, ममता उपाध्याय, गीता गुप्ता, मधु चतुर्वेदी, मिदहत फात्मा, हेमा श्रीवास्तव, अल्का गुप्ता, रविन्द्र कौर, कल्पना, संगीता गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

अजीम प्रेमजी हेल्थ इक्विटी फेलोशिप की घोषणा की

पटना : अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने पोस्ट ग्रैजुएट डॉक्टरों के लिए ह्यअजीम प्रेमजी हेल्थ इक्विटी फेलोशिप की घोषणा की है। यह फेलोशिप 18 महीनों के लिए दी जाएगी, जिसमें डॉक्टरों को जमीनी स्तर पर काम करते हुए सीखने के अवसर मिलेंगे। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन और स्वास्थ्य क्षेत्र में काम कर रहे देश के 11 महत्वपूर्ण संस्थान मिलकर इस फेलोशिप की शुरूआत कर रहे हैं। ये संस्थान देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद हैं। इस फेलोशिप के दौरान डॉक्टरों को जमीनी स्तर पर काम करने के अनुभवों के जरिए सीखने को मिलेगा। यह युवा सहभागियों के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले कमजोर और जरूरतमंद समुदायों के लिए कम संसाधनों में काम करते हुए मेडिसिन प्रैक्टिसेस से जुड़ी तमाम पेचीदगियों को स्वास्थ्य क्षेत्र के महारथियों से सीखने का अवसर है।

जौनपुर में मासूम की हत्या का आरोपी अतीक पुलिस मुठभेड़ में घायल

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जंघई मीरगंज थाना क्षेत्र के बंधवा गांव में पांच वर्षीय मासूम इलियास की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी अतीक को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।पुलिस के अनुसार, सोमवार को आरोपी अतीक को घटना की शिनाख्त के लिए घटनास्थल ले जाया जा रहा था। इस दौरान जब टीम उसे बंधवा स्थित एक इंटर कॉलेज के पास लेकर पहुंची, तो उसने अचानक पुलिस की रिवारवल निकाल कर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें अतीक के दाहिने पैर में गोली लग गई।मीरगंज पुलिस ने बताया कि अतीक से पूछताछ के दौरान हत्या में प्रयुक्त गमछे की बरामदगी के लिए यह कार्रवाई की जा रही थी। लेकिन शिनाख्त के दौरान उसने हमला कर भागने की कोशिश की। घायल हालत में उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि अतीक के खिलाफ पहले से गंभीर धाराओं में केस दर्ज है और उसे जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा।इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मासूम की हत्या जैसी जघन्य वारदात में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

जौनपुर : सफर के दौरान रोडवेज बस में यात्री की संदिग्ध मौत, गर्मी से मौत की आशंका

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के शाहगंज क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक यात्री की रोडवेज बस में सफर के दौरान अचानक मौत हो गई। मृतक की पहचान जनपद अंबेडकर नगर निवासी युवक के रूप में हुई है, जो प्रयागराज से जौनपुर के शाहगंज जा रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक प्रयागराज से रोडवेज बस में सवार हुआ था और रास्ते में उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। शाहगंज बस डिपो पहुंचने पर कर्मचारी जब उसे अचेत अवस्था में देखे तो तत्काल अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार, मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि गर्मी से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। सटीक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। जमालुद्दीन, चिकित्सक ने बताया कि मृत अवस्था में युवक को अस्पताल लाया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असली वजह सामने आएगी।इधर, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है।

प्रदीप कुमार को यूपी पुलिस में चयन होने पर रामगढ़ में खुशी की लहर

रामगढ़, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। चतरा क्षेत्र के रामगढ़ कस्बा निवासी प्रदीप कुमार पुत्र स्वः सुरेश प्रसाद के यूपी पुलिस में चयनित होने पर कस्बे में खुशी की लहर है। बता दे की प्रदीप एक गरीब परिवार से आते है उनके पिता का देहांत 2018 में हो गया था। जिसके बाद से उनके ऊपर और भी घर की जिम्मेदारियां बढ़ गई थी ।प्रदीप ने बताया कि पापा के गुजर जाने के बाद से अपने घर के साथ साथ यूपी पुलिस की तैयारी भी कर रहे थे और अपने घर का देख भाल भी कर रहे थे। सरकार द्वारा यूपी पुलिस की सीधी भर्ती निकाली गई थी जिसमे हमने अपना आवेदन किया। जिसे भगवान ने सुन लिया एवं परीक्षा में सफलता प्राप्त हुई जिसमे दोस्तो व कस्बे के लोगो में खुशी की लहर है।

कुम्हार समाज का विकास एवं मेधावी विद्यार्थी अभिनंदन समारोह आयोजित

झुंझुनू। कुम्हार कर्मचारी एवं समाज सेवा समिति झुंझुनूं के तत्वाधान में एवं मौजीज लोगो की मौजूदगी में शहीद राजकुमार कुम्हार धर्मशाला, सूरजगढ़ में कुम्हार समाज का विकास एवं मेधावी विद्यार्थी अभिनंदन समारोह के सफल क्रियान्वयन हेतु झुंझुनूं जिला अध्यक्ष हरिराम दादरवाल की उपस्थिति में सूरजगढ़ ब्लाक कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से बंशीधर लुहानीवाल को अध्यक्ष,राजेंद्र लुहानीवाल व महेंद्र खाटीवाल को उपाध्यक्ष,सतीश बिवाल को सचिव एवं जगदीश दादरवाल को कोषाध्यक्ष ,सुभाष सिंघाठिया को संगठन मंत्री, कैलाश खोवाल को प्रचार मंत्री तथा रामजीलाल लुहानीवाल, रामेश्वर लोवाडिया एवं सुमेर सिंह (प्राचार्य) लोवाडिया को संरक्षक बनाया गया। इसके अतिरिक्त शेर सिंह लोवाडिया,श्रीचंद्र लुहानीवाल, राजेश होदकास्या व चेतराम लुहानीवाल को सदस्य बनाया। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी के नरेंद्र बागोरिया, पंकज किरोड़ीवाल, रोहताशजी गोवला, मुरारी लाल बागोरिया भी उपस्थित रहे ।अंत में सुमेर सिंह प्राचार्य के द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

भारतीय प्रोफेशनल्स अपनी अपस्किलिंग का खर्च खुद उठा रहे हैं

मुंबई। टीमलीज एडटेक की एक नई रिपोर्ट ने यह उजागर किया है कि भारत में प्रोफेशनल्स अब करियर ग्रोथ के लिए खुद ज़िम्मेदारी ले रहे हैं और अपनी सीखने की यात्रा को खुद दिशा दे रहे हैं। अपस्किलिंग का परफॉर्मेंस अप्रेजल पर प्रभावद्ध नामक इस रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ.23.9% कंपनियों ने पूरी तरह से अपस्किलिंग के लिए स्पॉन्सरशिप दी, जबकि 46% प्रोफेशनल्स ने अपनी हालिया पढ़ाई खुद फंड की। इस रिपोर्ट में टेक्नोलॉजी, फाइनेंस, सेल्स, ऑपरेशन्स और एचआर जैसे क्षेत्रों के 14,000+ कर्मचारियों की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण किया गया है। इसमें यह बात सामने आई कि 84% प्रोफेशनल्स ने बीते एक साल में किसी न किसी रूप में अपस्किलिंग की, जो कि लॉन्ग-टर्म करियर प्लानिंग और भविष्य की तैयारी को ध्यान में रखकर की गई।

जिन प्रोफेशनल्स ने अपस्किलिंग की, उन्होंने अप्रेजल में उन लोगों की तुलना में बेहतर परिणाम देखे जिन्होंने कोई स्किलिंग नहीं की। टेक्नोलॉजी और फाइनेंस सेक्टर के कर्मचारियों ने सबसे ज्यादा सेल्फ-अपस्किलिंग (78.3%) की, अक्सर बिना संगठन की मदद के। वहीं, सेल्स और मार्केटिंग क्षेत्र के 80% प्रोफेशनल्स ने शॉर्ट-टर्म सर्टिफिकेशन और ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स को प्राथमिकता दी, जो कि तुरंत लागू किए जा सकने वाले, किफायती लर्निंग फॉर्मेट की ओर झुकाव दिखाता है।

टीमलीज एडटेक के संस्थापक और सीईओ, शांतनु रूज ने कहा, यह स्टडी साफ तौर पर दिखाती है कि जो प्रोफेशनल्स पहल करते हैं, खासकर जो अपनी पढ़ाई में निवेश करते हैं, उन्हें केवल नई स्किल्स ही नहीं, बल्कि पहचान, जिम्मेदारी और असली करियर ग्रोथ भी मिलती है ।संगठनों के लिए यह एक चेतावनी है कि वे कर्मचारियों की संगठन के प्रति निष्ठा बढ़ाने के लिए संरचित अपस्किलिंग में और अधिक रूप से निवेश करें। वहीं कर्मचारियों के लिए यह समय है कि वे तुरंत पहल करें, स्मार्ट तरीके से सीखें और लंबी अवधि की सोच अपनाएं।

जेलियो ई मोबिलिटी ने लीजेंडर का फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च किया

मुंबई। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर ब्रांड्स में से एक जेलियो ई-मोबिलिटी ने अपने लोकप्रिय लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर लीजेंडर का नया फेसलिफ्ट मॉडल आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। इस नए मॉडल में बेहतर डिजाइन, नए फीचर्स और आकर्षक कलर के ऑप्शन दिए गए हैं, जो आज के मॉडर्न राइडर्स के लिए एक स्टाइलिश, भरोसेमंद और किफायती राइड का एक्सपीरियंस देंगे। नया लीजेंडर स्कूटर खासतौर पर उन लोगों के लिए है जो एक स्टाइलिश और भरोसेमंद इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की तलाश में हैं। नए लीजेंडर स्कूटर के तीन अलग-अलग वेरिएंट्स उपलब्ध हैं। लिथियम-आयन बैटरी वैरिएंट 60V/30A – 75,000 रुपये और 74V/32A - 79,000 रुपये तथा जेल बैटरी वेरिएंट 32AH – 65,000 रुपये में उपलब्ध होंगे। नए फेसलिफ्टेड लीजेंडर स्कूटर की टॉप स्पीड 25 किलोमीटर प्रति घंटे है और यह एक बार फुल चार्ज में 150 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। यह स्कूटर शहरों में सस्ती और किफायती यात्रा के लिए बेहतरीन ऑप्शन है। इसमें 60/72 का हाई-पावर बीएलडीसी मोटर दिया गया है और यह एक बार चार्ज करने पर सिर्फ 1.5 यूनिट बिजली की खपत करता है। इसका कुल वजन 98 किलोग्राम है, और यह 150 किलोग्राम तक का भार उठा सकता है। साथ ही, इसकी ग्राउंड क्लीयरेंस 170 मिमी है, जिससे यह रोजाना के सफर में आसानी और कॉन्फिडेंस के साथ चलाया जा सकता है। अगर बात करें इसकी चार्जिंग टाइम के तो लिथियम-आयन बैटरी वेरिएंट झ 4 घंटे में फुल चार्ज हो जाता है जबकि जेल बैटरी वेरिएंट 8 घंटे में फुल चार्ज हो जाता है. यह स्कूटर तीन नए और शानदार कलर में उपलब्ध है- रस्टी ऑरेंज, ग्लॉसी ग्रीन और ग्लॉसी ग्रे, जो इसे और भी स्टाइलिश और आकर्षक बनाते हैं।

एक दिवसीय राजनैतिक चिंतन एवं प्रशिक्षण शिविर संपन्न,समाज की दशा पर वक्ताओं ने की चिंता

जयपुर। कांस्टीट्यूशन क्लब विधान सभा जयपुर में कुम्हार कुमावत प्रजापति समाज का एक दिवसीय राजनैतिक चिंतन एवं प्रशिक्षण शिविर समाज के प्रमुख लोगों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

आयोजित कार्यक्रम में समाज सुधारक संत परम श्रद्धेय श्री गोविन्द वल्लभदास जी महाराज (संस्थापक, श्रीपतिधाम नन्दन वन,राजपुरा- सिरोही) के सानिध्य में हुआ और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय जोराराम कुमावत (कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार) रहे तथा अध्यक्षता माननीय डूंगरराम गेदर (विधायक, सूरतगढ़) ने की। इस अवसर पर चंपालाल गैदर भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष, मदन प्रजापत (पूर्व विधायक, पचपदरा झ बालोतरा), निर्मल कुमावत (पूर्व विधायक, फुलेरा झ जयपुर), नानूराम कुमावत (पूर्व विधायक,आसीन्द झ भीलवाड़ा) एवं गजानंद कुमावत (भाजपा प्रत्याशी, विधानसभा दातारामगढ़ – सीकर) की गरिमामयी उपस्थिति रही तो मुख्यवक्ता के रूप में श्री यादें माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक रहे। इस अवसर पर समाजसेवी एवं भामाशाह के रूप में संजय व विजय बिंवाल पुत्र सुल्तान सिंह प्रजापति, राजगढ़झचूरू, महेन्द्र चन्दवा भाजपा नेता एवं ठफ्क्र दुबई, तथा मनोज कुमावत जिला परिषद सदस्य,जयपुर;(फर्मझभींवाराम पन्नालाल कुमावत,जयपुर) ने उपस्थिति होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम संयोजक रहे सुरेन्द्र लाम्बा एडवोकेट(राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर) की सार्थक सोच को सभी ने सराया और समाज हित में किए गए इस सेतु सरीखे कार्य के लिए सभी ने साधुवाद दिया ।सभी वक्ताओं ने समाज को संगठित रहने व समरसता रखते हुए आगे बढ़ने की बात कही ।पहली बार इस मंच पर आमंत्रित सभी अतिथियों की उपस्थित देखने को मिली ।दूसरे शब्दों में कहे तो शानदार कार्यक्रम में जानदार मेहमानों की उपस्थिति दर्ज हुई।

मजे की बात यह रही कि इसमें अधिकतर वे ही लोग नजर आए जो समाज की पीड़ा को समझते है और समाधान हेतु समझ रखते हैं ।आज समाज की ओर से एक ही बात देखी गई ओर मंच के माध्यम से कही गई की हम सब एक है और एक रहकर ही हमे आगे बढ़ने की जरूरत है ।इस बात को सभी जानते हैं और मानते हैं फिर भी हम राजनीति के हाशिएं पर क्यों हैं चिंतन इस बात का होना चाहिए। आपको बता दे कि समय आ गया है हमे ऐसे मौकों पर ही अपने विचार रखने चाहिए और हमे सकारात्मक सोच रखते हुए उत्प्रेरक का काम करना चाहिए। बड़ों द्वारा बताई गई बात को सभी ने समझी और राजनीति में अधिक से अधिक युवा लोगों को आगे आने की आवश्यकता पर बल दिया ।इस कार्यक्रम में पूरे राजस्थान से राजनीति प्रतिनिधत्व करने वाले समाज बंधुओं ने शिरकत की और परोसे गए विषय पर अपने विचार रखे ।मंच पर जहां महिलाओं के अधिकारों की चर्चा हुई, तो वहीं मातृशक्ति की उपस्थिति भी खास देखने को मिली ।

जरूरत इस बात की भी है कि समाज का युवा दर्शक न बनकर अब निर्णय लेने के लिए आतुर रहे। यह तभी संभव होगा जब युवाओं को सही समय में अग्रणीय लोगो का मार्ग दर्शन मिलेगा, और शिक्षा पाकर वे संगठित बने ।देर तक चले इस कार्यक्रम में तालियों की गड़गड़ाहट से वक्ताओं की हौसला अफजाई होती रही।

निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी अनुपस्थित,डीएम ने वेतन बंद कर मांगा स्पष्टीकरण

मगध-गया(उत्तरशक्ति)। जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर ने आज सुबह 10:30 बजे प्रखंड कार्यालय सदर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अंचल कार्यालय, बाल विकास परियोजना कार्यालय, प्रखंड कृषि कार्यालय, सांख्यिकी कार्यालय सहित अन्य विभागों के कई अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। अंचल कार्यालय के निरीक्षण में अंचलाधिकारी नगर के साथ राजस्व कर्मचारी, प्रधान लिपिक रीता कुमारी, उच्च लिपिक श्याम दास, अशोक कुमार सिंह, निम्न लिपिक शिव शंकर दास, मंजीत कुमार, उर्दू अनुवादक मो० रामदास अहमद, अमीन सहित 2 कार्यालय परिचारी अनुपस्थित थे। डीएम ने आरटीपीएस काउंटर पर जाकर कर्मियों से कामकाज की जानकारी ली और आवेदन प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए आवश्यक जानकारी काउंटर पर चिपकाने के निर्देश दिए। इसके अलावा, पिछले सप्ताह आरटीपीएस पर प्राप्त और निपटाए गए आवेदन की भी जांच की गई। बाल विकास परियोजना कार्यालय में सीडीपीओ सदर अनुपस्थित मिले। प्रखंड कृषि कार्यालय, सांख्यिकी कार्यालय, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी कार्यालय समेत अन्य कई कार्यालयों में भी कई पदाधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इनमें प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी रंजीत सवर्था, प्रखंड सांख्यकी पदाधिकारी अशोक कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी छोटे लाल चौधरी, मनरेगा प्रोग्राम पदाधिकारी जय प्रकाश कुमार, मनरेगा के कनिष्ठ अभियंता समेत अन्य शामिल हैं। डीएम ने सभी अनुपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा है और अगले आदेश तक उनका वेतन बंद करने का निर्देश दिया है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रखंड कार्यालय में आए आवेदकों की समस्याएं भी सुनीं। अधिकांश लोगों ने शिकायत में कहा कि राजस्व कर्मचारी अपने हल्का या अंचल कार्यालय में नहीं मिलते और कॉल भी रिसीव नहीं करते। डीएम ने अंचलाधिकारी नगर को कड़ा निर्देश दिया है कि राजस्व कर्मचारी अपने रोस्टर के अनुसार हल्का एवं अंचल कार्यालय में समय पर उपस्थित रहें और रोस्टर कार्यालय नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाए।

लगभग एक दर्जन सीसीटीवी कैमरा की मदद से भागी लड़कियों का मिला सुराग

गौराबादशाहपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के असवारा गांव में रिश्तेदारी में रह रही दो लड़कियां स्वजनों की डांट से क्षुब्ध होकर मंगलवार को दिन में लगभग 9 बजे किसी को बिना कुछ बताएं घर से निकल गई। स्वजन थोड़ी देर के बाद जब लड़कियों को घर में नहीं देखे तो पास पड़ोस में तलाश किया तथा पता न चलने पर भागे भागे थाने पहुंचकर सूचना दी। सूचना पर थाना अध्यक्ष फूलचंद पांडेय ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए आसपास के सीसीटीवी कैमरे फुटेज की मदद से लड़कियों का सुराग लगा लिया। अंततः लड़कियों को केराकत तिराहे से शाम 6 बजे के आसपास उस वक्त बरामद कर लिया जब वह कहीं जाने के लिए सवारी के इंतजार में खड़ी थी। अंशिका 16 पुत्री कृष्ण कुमार निवासी जाफरपुर सरायख्वाजा तथा सोनम 13 साल पुत्री राजेश यादव निवासी किरतापुर अपनी रिश्तेदारी असवारा में बांकेलाल यादव के यहां रहती थी। मंगलवार को रिश्तेदारों की किसी डांट से नाराज होकर दोनों घर से निकल गई थी। लड़कियों के सकुशल बरामद होने पर स्वजनों ने राहत की सांस ली। खास बात यह रही की लड़कियों के पास मोबाइल भी नहीं था।

जौनपुर में ट्रेन से टकराकर विद्यालय के लिपिक की हुई दर्दनाक मौत

नौपेड़वा,जौनपुर(उत्तरशक्ति) ।बक्शा थाना क्षेत्र के वाराणसी लखनऊ रेलमार्ग पर कुल्हनामऊ गांव के पास मंगलवार की दोपहर एक ट्रेन से कटकर 55 वर्षीय एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने रेलकर्मी अतुल राज की सूचना पर पहुँच कर शव को कब्जे में लेते हुए अंत्य परीक्षण हेतु भेज दिया है। सिकरारा थाना क्षेत्र के शेरवा गांव निवासी आशीष सिंह आंशु ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया है कि मेरे पिता विनय कुमार सिंह जौनपुर जा रहें थे रास्ते में शौच हेतु रेलवे लाइन के पास रुके थे उसी समय रेलवे लाइन का बिजली ठीक करने वाला टावर वैगन जो जफराबाद से बक्शा स्टेशन आ रहा था उसी की चपेट में आ गए जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। विनय जनता इंटर कालेज खपड़हा में लिपिक के पद पर तैनात थे। सूचना मिलते ही सैकड़ो लोग बक्शा थाने पहुँच गए जहां आवश्यक लिखा पढ़ी पश्चात शव को अंत्य परीक्षण हेतु भेज दिया गया है।

जौनपुर में स्विफ्ट डिजायर कार खड़ी ट्रक से भिड़ी, अयोध्या से दर्शन कर लौट रही महिला की मौत

नौपेड़वा, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के टिकरी गांव के समीप मंगलवार की सुबह एक स्विफ्ट डिजायर कार खड़ी ट्रक से भिड़ गई। जिसमें अयोध्या से दर्शन कर वाराणसी लौट रही एक महिला की मौत हो गई जबकि उसका पुत्र घायल हो गया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने महिला के शव को पीएम हेतु भेज दिया। जानकारी के अनुसार वाराणसी चौक निवासी राजकुमार कसेरा की 55 वर्षीय पत्नी बेबी देवी अपने पुत्र राहुल कसेरा के साथ अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से अयोध्या दर्शन के लिए गई थी। कार पुत्र राहुल चला रहा था दर्शन पश्चात रात्रि में ही उक्त लोग घर के लिए वाराणसी रवाना हो गए। सुबह जैसे ही घटनास्थल के समीप पहुँचे पहले से खड़ी ट्रक में जा घुसे। भीषण टक्कर की सूचना पर पहुँची पुलिस मां बेटे को नौपेड़वा सीएचसी अस्पताल ले गए जहां चिकित्सक ने बेबी को मृत घोषित कर दिया जबकि राहुल का उपचार किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गई है ।जौनपुर में आए दिन हो रहे सड़क हादसे में लोग गंवा रहे है अपनी जान ।

बार्बिक्यू नेशन ने किया कुक्कड़ कार्निवल चिकन फेस्टिवल लॉन्च

मुंबई। दुनिया भर में अपने लजीज बुफे की बेहतरीन वैरायटी के लिए प्रसिद्ध रेस्टोरेंट श्रृंखला बार्बिक्यू नेशन द्वारा कुक्कड़ कार्निवल - चिकन फेस्टिवल को लॉन्च करने की घोषणा की गई। देशभर के फूडीज इस फेस्टिवल में स्पेशल चिकन मेनू का आनंद 10 जून से 10 जुलाई तक बार्बिक्यू नेशन रेस्टोरेंट में ले सकेंगे! भारत की अग्रणी रेस्टोरेंट श्रृंखला बार्बिक्यू नेशन अपने लाइव ग्रिल्स और विस्तृत बुफे के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है और इस कुक्कड़ कार्निवल- चिकन फेस्टिवल के द्वारा वह अपने ग्राहकों को स्वादिष्ट डाइनिंग का एक अनोखा अनुभव देना चाहते हैं!

देशभर के नॉनवेज फूड लवर्स इस फेस्टिवल में स्पेशल एवं मनमोहक डिशेज का आनंद उठा सकते हैं जिनमें उल्लेखनीय हैंः चिकन मरग सूप,स्टार्टर्स में झ भुना रसीला कुक्कड़, चिकन कीमा समोसा, चिकन कीमा पाव, हरा मसाला तवा चिकन, स्टफड चिकन चीज टिक्की, क्रिस्पी चिकन स्ट्रिप्स, चिल्ली स्वीट चिकन विंग्स। मेन कोर्स में झ चिकन हलीम, दम का मुर्ग, मुर्ग चंगेजी, और तंदूरी घी रोस्ट चिकन बिरयानी। फेस्टिवल में मिठास भरने के लिए स्वादिष्ट डिजर्ट्स भी होंगे जैसे झ मीठी बूंदी और राबड़ी के मिश्रण से बना बेक्ड माही, पिस्ता और ड्राई फ्रूट से भरी फिरनी, एवं तरो-ताजा करने वाली पान, चॉकलेट और मैंगो कुल्फी।

शाकिर अली, वेस्ट रीजनल मैनेजर ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहाः ऱ्हम अपने ग्राहकों को हर बार डाइनिंग का एक उत्कृष्ट अनुभव देना चाहते हैं और इसी सिलसिले में नवीनतम पेशकश है कुक्कड़ फेस्टिवल – जो देश भर के नॉनवेज फूड लवर के लिए हमारी ओर से एक नायाब तोहफा है। इसमें हमने अपनी सिग्नेचर डिशेज और इनोवेशन को ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए खूबसूरती से ब्लेंड किया है। इस मौके पर राहुल अग्रवाल, सीईओ, बार्बिक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड ने कहाः इस फेस्टिवल के द्वारा हम अपने अजीज ग्राहकों को एक रिफ्रेशिंग और यूनिक डायनिंग एक्सपीरियंस प्रदान करना चाहते हैं।

पांच करोड़ का बालिका छात्रावास बनाएगा राजपुरोहित समृद्धि फांउडेशन

अर्जुनसिंह तिंवरी फाउंडेशन के नए अध्यक्ष होंगे

-जगदीश पुरोहित

मुंबई। राजपुरोहित समृद्धि फाउंडेशन का वार्षिक अधिवेशन एवं राजपुरोहित ग्लोबल सेंटर फॉर एक्सीलेंस, जयपुर के दानदाताओं के लिए शिक्षा सारथी सम्मान समारोह रविवार को महाजन ग्रैंड बैंक्वेट, ठाणे में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुकेश सिंह रास थे। कार्यक्रम की शुरूआत में अहमदाबाद विमान दुर्घटना में दिवंगत खुशबू राजपुरोहित के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित ने कहा कि राजस्थान सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में हमेशा राजपुरोहित समाज के साथ है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जहां जरूरत पड़ेगी वहां में हमेशा सेवा को तत्पर रहूंगा, फाउंडेशन के शिक्षा के इस प्रकल्प की भूरी भूरी प्रशंसा। राजस्थान मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी विकास पारलु ने कहा कि राजपुरोहित समृद्धि फाउंडेशन ने समाज सैकड़ों बच्चों के प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में जो अपना योगदान दिया है उससे समाज कभी भूलेगा नही ओर उससे युवा भविष्य का निर्माण हो रहा है।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रमुख अतिथियों में जिला आबकारी अधिकारी गजेन्द्रसिंह सांकरणा, सी.आई. राजेंद्रसिंह आउवा, मेजर रमेशसिंह रमणिया, ईपीएफओ शक्ति सिंह सांकरणा, मणिभाई सिद्धेश्वर, दिनेश नून सूरत और फालना कॉलेज के प्रिंसिपल आईदानसिंह, भाभा परमाणु अनुसंधान वैज्ञानिक, किस्तूरसिंह कालूड़ी, वैज्ञानिक भंवरसिंह चावरछा ने भाग लिया। समृद्धि फाउंडेशन के अध्यक्ष हुकमसिंह ने अर्जुनसिंह तिंवरी को आगामी अध्यक्ष घोषित किया तथा उन्हें जयपुर में बालिका छात्रावास निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी।

संस्था के संस्थापक प्रतापराज जैतपुरा ने कहा कि एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना संस्कृति है, उन्होंने समाज से बालिका छात्रावास निर्माण की अपील की। नटवरलाल पोसितारा ने फाउंडेशन की गतिविधियों की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन आरजे राजेश गरासनी व दिलीप भटाणा ने किया तथा इसकी व्यवस्था आदर्श परिवार के जगदीश बसंत ने किया। कार्यक्रम संयोजक गणपत पांचडोलिया ने सभी का स्वागत किया, सीए बाबूसिंह मनाणा बासनी ने वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। बाबूसिंह राजगुरु के नेतृत्व में प्रवासियों ने मुख्य अतिथि मुकेशसिंह रास का भव्य स्वागत किया।

इस बीच जयपुर में गर्ल्स होटल के निर्माण के लिए दान की घोषणाएं होने लगीं और कुछ ही मिनटों में पांच करोड़ रुपये की राशि की घोषणा कर दी गई। इस अवसर पर इनकी रही विशेष उपस्थिती रही गोरधनसिंह पावा, मनोजभाई दासपा, सुखराज रेवतड़ा, भीमसिंह रायथल, सुखराज नून, मुकेश सोनाणा, तेजसिंह साकरणा, गोपालसिंह खिंचन, कानसिंह तिंवरी, सोहनसिंह गुडाजैतीन, नरेंद्र धानोल, बाबूसिंह वसई मादा, कालूराम डूंगरी, महेंद्रसिंह मादा, कांतिलाल वाड़ा, मनीष सेवाड़िया, प्रमोद जसवन्तपुरा, मोतीसिंह बिठू, किरणसिंह चिरपटिया, नरसिंह बारवा, राणसिंह साकरना, महेंद्रसिंह सिंदरली, रमेश दासपा, दशरथसिंह वारका, बाबूसिंह आसरलाई, रमेशसिंह बावड़ी, जबरसिंह मायलावास, श्रवणसिंह डोडू, प्रवीणसिंह मवड़ी आदि मौजूद थे।

नारी शक्ति ने भी कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई जिनमें थी परमेश्वरी बिठू, राजश्री बसंत, लीला खिंचन, नंदा जसवन्तपुरा, निर्मला तिंवरी, प्रेरणा शिवतलाव, संतोष अराबा, सरोज ठाकुरला, शोभा खिंचन, रेखा गोविंदला, एकता बासनी, शोभा वारका, शैला नाना, सुमन लाम्पी, श्रुति खेरवा आदि मातृशक्ति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।